वर्ष : 17 ❖ अंक : 51 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 22 सितम्बर 2022

बीजेपी और आरएसएस के आगे कभी नहीं झुकेंगे : लालू 3

स्टार बनाने की जगह सभी खिलाड़ियों को महत्व दें : गंभीर 7

इलाइची की खेती पकने के बाद किसान व्यस्त

दैनिक मजदूरी में वृद्धि को देखते हुए इलाइची की कीमत बढ़ाने की मांग

के.ए. शर्मा

गेजिंग, 21 सितम्बर । राज्य में बड़ी इलाइची की खेती पकने के बाद किसान फस काटने में व्यस्त हैं तथा उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार उनका दशहरा बेहतर होगा। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बड़ी इलाइची की खेती भी अच्छी हुई है। पिछले साल बड़ी इलाइची के अच्छे भाव मिलने के बाद इस बार किसानों ने सब्जी की खेती की जगह इसे प्राथमिकता दी है।

वर्तमान सरकार ने इलाइची पर कुछ इंसेंटिव देने की घोषणा की है जिसके बाद इलाइची किसानों को कुछ राहत पहुंची है। राज्य के पश्चिम और उत्तर सिक्किम में इसकी सबसे अधिक खेती होती है। पश्चिम जिला का लेख ब्यांसी और चिसेनी बड़ी इलाइची की खेती के लिए प्रसिद्ध है। राज्य सरकार ने इलाइची की खेती पर प्रति किलो 100 रुपये की इंसेंटिव देने की शुरुआत की है इससे अगर बाजार भाव कुछ कम भी रहता है तो भी किसानों का राहत मिलती है। जैविक तरीके से सरेमला, साउने, गोलसाइ, भारलांग आदि में इसकी खेती की जाती है।

राज्य के विभिन्न बाजारों में भी इलाइची के भाव एक नहीं हैं। कहीं ये 22 हजार है तो कहीं 24 से 26 हजार। किसानों का कहना है कि इलाइची के भाव अगर 50 हजार रुपये से अधिक मिलें तो नुकसान नहीं होगा। अब किसानों ने इलाइची पर काफी अध्ययन कर आठ दस हेक्टेयर में इलाइची कीखेती की है। यहां इलाइची की कई प्रजातियां बोई जाती है।

बाजार में अलग-अलग प्रजाति के भाव भी अलग-अलग हैं। किसानों का कहना है कि दैनिक मजदूरी में वृद्धि के कारण इलाइची की खेती भी महंगी हो गई है। इसलिए राज्य सरकार को उसी के अनुरूप इलाइची के भाव तय करने चाहिए या दी जा रही इंसेंटिव में वृद्धि करनी चाहिए।

भाइचुंग भूटिया ने लिखा नितिन गडकरी को पत्र

एनएच10 की दुर्दशा का मुद्दा उठाया

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 सितम्बर । हाम्रो सिक्किम पार्टी के अध्यक्ष भाइचुंग भूटिया ने सिक्किम की जीवन रेखा एनएच10 की बदहाल एवं खतरनाक स्थिति को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन व उच्चपथ मंत्री नितिन गडकरी को एक पत्र लिखा है। अपने इस पत्र में भूटिया ने कहा कि वर्तमान में इस राष्ट्रीय राजमार्ग की ऐसी स्थिति है कि इसे एनएच कहना भी सही नहीं होगा। इसकी बदहाल स्थिति के कारण आये दिन इस पर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

वहीं, भूटिया ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 'भारत में सड़क दुर्घटना 2020' की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार सिक्किम में दुर्घटना में मरने वालों की दर देश में सबसे अधिक 10.2 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय दर 5.1 का दुगुना है। वहीं एनआरसीबी के आंकड़ों के अनुसार सिक्किम में सड़क दुर्घटनाएं 2020 में 108 से बढ़कर 2021 में 122 हो गई है जो वार्षिक आधार पर 13 फीसदी अधिक है। इनमें 178 लोग जख्मी हुए हैं और 64 लोगों की मृत्यु हुई है। वहीं 2022 में मई महीने तक एनएच पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में 33 लोगों की मृत्यु हो चुकी है और 72 लोग जख्मी हुए हैं। ऐसे में देखा जा रहा है कि सिक्किम में इस सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या और इससे प्रभावित लोगों की संख्याओं में लगातार इजाफा हो रहा है।

भाइचुंग भूटिया ने पत्र में यह भी कहा है कि सप्ताह भर पहले ही केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली गंगटोक आये थे। इस दौरान उन्होंने भी कहा था कि सिलीगुड़ी से रंगपो तक एनएच10 की स्थिति काफी खराब है। इस सम्बंध में उन्होंने सम्बंधित मंत्रालय को पत्र लिखकर इस सड़क की दशा सुधारने का आग्रह करने की बात कही थी।

भाइचुंग भूटिया ने केंद्रीय मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि राज्य का एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते मुझे यह चिंता है कि इससे एक विकसित सिक्किम बनाने का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकता है। मैं आपसे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को एनएच10 की मरम्मत का निर्देश देने का निवेदन करता हूं।

वहीं भाइचुंग भूटिया ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर उद्यान तथा सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 21 सितम्बर । राज्य के पर्यटन मंत्री बीएस पंत ने आज रिनचेनपोंग स्थित मेगी डांड़ा में रवीन्द्रनाथ टैगोर उद्यान तथा सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास किया। गौरतलब है कि रिनचेन छोलिंग गुम्बा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विश्व शांति पूजा एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सातवीं वर्षगांठ पर यह शिलान्यास किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पर्यटन मंत्री बीएस पंत के अलावा क्षेत्रीय विधायक व मंत्री लोकनाथ शर्मा, गुम्बा प्रमुख धर्मगुरु तुल्कु सांगे योन्तेन ग्याछो रिन्पोछे, स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम के अध्यक्ष डीबी गुरुंग, पशुपालन व पशु चिकित्सा सलाहकार दुर्गा प्रसाद प्रधान, सूचना प्रौद्योगिकी अध्यक्ष नवराज गुरुंग, पीएचई अध्यक्ष जनक गुरुंग, पूर्व मंत्री गर्जमान गुरुंग व मोहन गुरुंग, पूर्व राज्य सभा सांसद ओटी लेप्चा, पूर्व विधायक दीपक गुरुंग, सोरेंग एवं गेजिंग के जिला शासक एवं अन्य विभागीय अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष 21 सितम्बर को मुख्यमंत्री पीएस गोले ने रिनचेन छोलिंग गुम्बा में आयोजित एक कार्यक्रम में रवीन्द्रनाथ टैगोर उद्यान और रिनचेनपोंग मेगी डांड़ा सांस्कृतिक केंद्र को पर्यटन विभाग द्वारा विकसित किये (शेष पृष्ठ ०३ पर)

नवनियुक्त मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 सितम्बर । हाल ही में सिक्किम के मुख्य सचिव के तौर पर प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी का पदभार एवं वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार सम्भालने वाले वीबी पाठक ने आज स्थानीय ताशीलिंग सचिवालय में विभिन्न अंतर विभागीय मुद्दों पर विचार-विमर्श हेतु अधिकारियों संग समन्वय बैठक की। इसमें विभिन्न विभागों के प्रमुखों, अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक की शुरुआत अतिरिक्त गृह सचिव आर तेलंग के स्वागत भाषण से हुई। वहीं इस दौरान एक सक्षम एवं संयोजित प्रशासनिक विधि अनुरूप नौकरशाही शासन के सुचारू परिचालन हेतु विभिन्न विभागों से सम्बंधित मुद्दों एवं निर्णयों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से बातचीत की और हर क्षेत्र के विकास हेतु कुशल प्रबंधन के पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने राज्य में केंद्र प्रायोजित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु ध्यान देने की आवश्यकता वाले महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में बताया। वहीं इस दौरान विभिन्न विभागों के अध्यक्षों ने राज्य में विभिन्न सरकारी पहलों के सफल व प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु अपने सुझाव दिए।

इसके साथ ही मुख्य सचिव ने हर विभाग को समय से अपनी-अपनी वेबसाइट अपडेट करने और समय की पाबंदी और अनुशासन के पालन की नियमित निगरानी करने को भी कहा। वहीं बैठक में अतिरिक्त मुख्य गृह सचिव आर. तेलंग ने सभी विभाग प्रमुखों से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती समारोह में भाग लेने का अनुरोध किया। बैठक निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु समन्वय और कुशलता से काम करने के संकल्प के साथ समाप्त हुई।

गंगटोक शहर में लाल बाजार का ऐतिहासिक तहत्व : उप्रेती

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 सितम्बर । सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष तथा क्षेत्र विधायक अरुण उप्रेती ने आज लाल बाजार, कंचनजंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का दौरा किया और वहां के दुकानदारों की समस्याओं की जानकारी ली।

उन्होंने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के हर तल का दौरा किया और हितधारकों की समस्याओं और मुद्दों को सुना। इसी तरह उन्होंने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्मार्ट सिटी गंगटोक परियोजना के तहत शुरू की गई विकासा गतिविधियों का भी निरीक्षण किया।

उनके साथ जीएमसी की उप महापौर श्रीमती छिरिंग पालदेन भूटिया, पार्षद लाल बाजार श्री अशोक कुमार प्रसाद, स्मार्ट सिटी गंगटोक के सीईओ, मुख्य इंजीनियरिंग यूडीडी, जीएमसी, यूडीडी और स्मार्ट सिटी गंगटोक के अधिकारी भी थे।

मीडिया के साथ अपनी संक्षिप्त बातचीत में अरुण उप्रेती ने कहा कि चूंकि दशहरा उत्सव निकट आ रहा है, इसलिए कंचनजंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के हितधारकों के सामने आने वाले सभी मुद्दों और चुनौतियों का जल्द समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी हितधारकों के प्रश्नों की निष्पक्ष सुनवाई की।

उन्होंने कहा कि कई दुकानों में बारिश का पानी घुसने की समस्या है, जिसका (शेष पृष्ठ ०३ पर)

किसी भी ग्वाले का भुगतान बकाया है तो दे दूंगा इस्तीफा : सीएम गोले

कहा- सरकार ने अब तक 16 करोड़ की धनराशि सीधे किसानों के खाते में दी है

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 21 सितम्बर । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कहा कि यदि राज्य में किसी भी ग्वाला का भुगतान बकाया है, तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। हाल ही में राज्य विधानसभा के सत्र में भाजपा विधायक दिल राम थापा ने इस सम्बंध में सवाल पूछा था और राज्य में ग्वालों को उनके उत्पादित दूध का न्यूनतम खरीद मूल्य 60 रुपए प्रति लीटर करने की मांग की थी।

इसके जवाब में मुख्यमंत्री गोले ने कहा था कि राज्य के हरेक डेयरी किसानों को समय पर उनका भुगतान और प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। यदि कोई यह कहता है कि उसे उसका भुगतान नहीं मिला है, तो वह अपनी कुर्सी छोडने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 16 करोड़ की धनराशि सीधे किसानों को उनके दूध विक्रय भुगतान एवं प्रोत्साहन राशि के तौर पर दी है। हरेक तीन महीनों में किसानों के बैंक खाते में यह राशि ट्रांसफर होती है। ऐसे में कोई व्यक्ति जिसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और उसके पास घर में एक गाय भी नहीं है, उसे इस पर सवाल खड़े नहीं करना चाहिए।

वहीं मुख्यमंत्री गोले के इस दावे के बावजूद बीते सोमवार को नामथांग क्षेत्र के तीन दूध किसानों ने राज्य सरकार से 3.5 वसा तथा 7.5 एसएनएफ वाले दूध की प्रति लीटर कीमत में कम से कम 5 रुपए वृद्धि की बात कही है। वहीं उनका कहना था कि कई किसानों को समय पर उनके दूध का भुगतान नहीं मिल रहा है। इसके कारण उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में उनलोगों ने हरेक महीने की 5 तारीख तक दूध किसानों को भुगतान कर देने की मांग की।

वहीं विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि पूर्व सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य में दूध किसानों को मिनरल वाटर की कीमत से भी कम भुगतान मिलता था। उन्होंने यह भी कहा कि हम दूध में पानी की मिलावट से भी भली-भांति अवगत हैं। इसलिए हमने दूध में वसा तथा एसएनएफ का प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही किसानों को दूध के न्यूनतम मूल्य के तौर पर 60 रुपए प्रति लीटर भुगतान किये जाने की मांग के सम्बंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम ऐसा करते हैं तो बाजार में दूध की कीमत और बढ़ जायेगी। इससे आमलोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

राज्यों की सफलता तभी है, जब पराली जलाने के मामले शून्य हो जाएं : केंद्रीय मंत्री तोमर

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने धान की पराली जलाने के प्रबंधन के लिए राज्यों की तैयारियों की आज उच्चस्तरीय बैठक में समीक्षा की। बैठक में श्री तोमर ने कहा कि इस मामले में राज्यों की सफलता तभी है, जब पराली जलाने के मामले शून्य हो जाएं और यहीं आदर्श स्थिति होगी।

श्री तोमर ने कहा कि इस संबंध में लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जाएं तथा बहुआयामी एवं दूरगामी योजना बनाकर उसका गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाएं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार इस मामले में चिंतित है और फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में भारत सरकार ने राज्यों को 600 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

श्री तोमर ने कहा कि राज्यों को पिछले 4 वर्षों के दौरान पहले से आपूर्ति की गई 2.07 लाख मशीनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व दिल्ली के उच्चाधिकारियों तथा कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक में समीक्षा करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने कहा कि राज्यों की तैयारियां ऐसी हो कि एक निश्चित लक्ष्य अवधि में फसल अवशेष जलाने की समस्या से मुक्ति मिल सकें।

राज्यों को गंभीरता से यह सोचना चाहिए कि इस समस्या का त्वरित गति से समाधान कैसे किया जा सकता है। श्री तोमर ने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण को तो नुकसान होता ही है, किसानों के खेतों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है, जिससे अंतत: किसान, राज्य व देश को भी नुकसान होता है।

श्री तोमर ने कहा कि पूसा संस्थान द्वारा तैयार बायो-डीकंपोजर, पराली की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण है, जो सस्ता भी है, इसके अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए, साथ ही किसानों को ऐसे खेतों पर ले जाकर पूसा संस्थान की इस पद्धति का अवलोकन कराया जाना चाहिए ताकि उन्हें पता चलें कि इसका किस तरह से फायदा हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें वेस्ट को वैल्थ में बदलने की कोशिश करना चाहिए। बैठक में बताया गया कि यूपीएल समूह द्वारा पराली प्रबंधन के संबंध में पूसा संस्थान व राज्य सरकारों के साथ मिलकर अच्छा कार्य किया जा रहा है। सभी उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग और सघन जागरूकता अभियान के माध्यम से राज्यों के स्तर पर एक बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है।

फसल अवशेष प्रबंधन में फसल की आयु महत्वपूर्ण है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने ऐसे बीजों की प्रजाति विकसित की है, जिससे इस समस्या के समाधान में मदद मिलना संभव है।

राज्यों से इसकी जानकारी किसानों तक पहुंचाने का अनुरोध किया गया। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री मनोज अहूजा, आईसीएआर के महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक भी उपस्थित थे।

दावेदारी की अटकलों के बीच सोनिया गांधी से मिले अशोक गहलोत

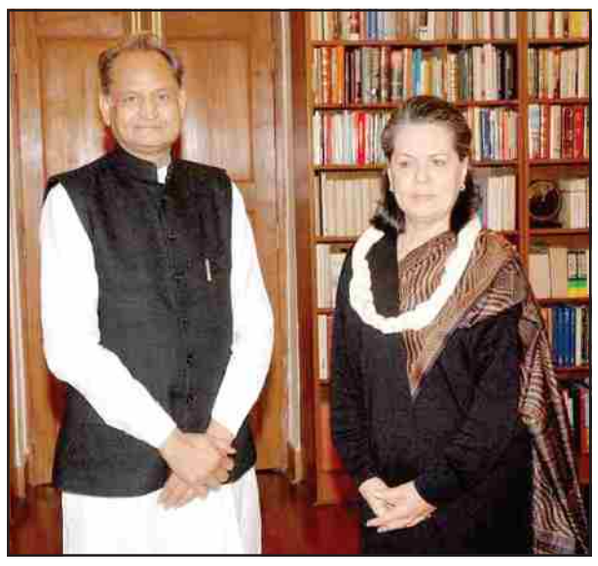

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का स्पष्ट संकेत देने के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की।

माना जा रहा है कि सोनिया गांधी से उनकी मुलाकात के दौरान अध्यक्ष पद के चुनाव से जुड़े विषयों पर ही मुख्य रूप से चर्चा हुई है।

मुलाकात से पहले गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का स्पष्ट संकेत दिया और कहा कि पार्टी के लोगों का जो फैसला होगा, उसे वह मानेंगे।

गहलोत ने यह भी कहा कि वह कोच्चि जाकर राहुल गांधी को इस बात के लिए मनाने का आखिरी प्रयास करेंगे कि वह पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। उनका कहना था कि राहुल गांधी से बातचीत करने के बाद ही वह तय करेंगे कि आगे क्या करना है।

गहलोत दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद आज शाम मुंबई जाएंगे और गुरूवार को केरल जाएंगे, जहां राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे और भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे।

उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने पहले ही संकेत दे दिया है कि वह अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। थरूर ने यहां कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री से मुलाकात की।

कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए किसी को भी मौजूदा अध्यक्ष सोनिया गांधी या पार्टी नेता राहुल गांधी की अनुमति की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी के चुनाव नहीं लड़ने के संकेत देने और अशोक गहलोत एवं शशि थरूर के चुनाव लड़ने की संभावना के बीच कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मुकाबला होने के आसार बढ़ गए हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा के आज के दिन, पहले और दूसरे चरण के बीच के अवकाश में मीडिया से बातचीत में कहा, पीसीसी (प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के दस प्रतिनिधियों का समर्थन होने पर कोई भी चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र एवं पात्र है।

उन्होंने कहा, नामांकन दाखिल करने के लिए किसी को भी कांग्रेस अध्यक्ष या राहुल गांधी की अनुमति की जरूरत नहीं है। चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी होंगे। देश में कोई भी अन्य पार्टी अपना प्रमुख चुनने के लिए चुनाव नहीं कराती।

इससे पहले कांग्रेस वरिष्ठ नेता शशि थरूर नें केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री से कांग्रेस मुख्यालय में मुलाकात की।

इस मुलाकात होने के बाद मधुसूदन मिस्त्री नें कहा, शशि थरूर को चुनावी प्रिक्रिया से संबंधित कुछ सवाल थे, उन्होंने वह पूछा और उनको हमने सब जानकारी दे दी है। मुलाकात के बाद वह संतुष्ट है। जब वह फॉर्म भरेंगे तों उनको हम 24 सितंबर को मतदाता सूची देंगे।

राहुल गांधी के चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने जवाब दिया कि, मैं राहुल गांधी के लिए कुछ नहीं बोल सकता, नामांकन भरने के लिए आएंगे या नहीं मुझे जानकारी नहीं।

कांग्रेस अध्यक्ष पद पर होने वाले चुनाव पर भाजपा आरोप लगा रही है, इनसब पर मिस्त्री नें कहा, भाजपा यह बताए कि नड्डा जी का चुनाव किस तरह हुआ? किसने उनको चुना, उनके चुनाव कैसे हुए? ये देश के लोगों को बताए। क्या नड्डा जी बिना मोदी और शाह के फैसला ले सकते हैं ? जावब दें।

उन्होंने आगे कहा, हमारा चुनाव सामन्य चुनाव की तरह ही चुनाव होगा। जो भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हैं उनको मतदान करना है तो उन्हें पहले हमें जानकारी देनी होगी ताकि हम व्यवस्था कर सकें।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए घोषित कार्यक्रम के अनुसार, अधिसूचना 22 सितंबर को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अक्टूबर है। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर 17 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किये जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का 27 सितंबर से यूट्यूब पर होगा लाइव टेलीकास्ट

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट संविधान पीठ की सुनवाई का सीधा प्रसारण 27 सितंबर से यूट्यूब चैनल पर करेगा। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को सभी न्यायाधिशों के सर्वसम्मत फैसले बाद पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ की कार्यवाही की लाइव टेलीकास्ट' की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ईडब्ल्यूएस कोटे की वैधता, भोपाल गैस त्रासदी मामला, दाऊदी बोहरा समुदाय में बहिष्कार की धार्मिक प्रथा आदि की सुनवाई संविधान पीठ द्वारा की जा रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने हाल ही में एक पत्र के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश और शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों से अनुरोध किया कि वे ईडब्ल्यूएस कोटा, हिजाब प्रतिबंध, नागरिकता संशोधन अधिनियम सहित राष्ट्रीय महत्व के कई मामलों में सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग तुरंत शुरू करें। उन्होंने कहा कि स्वखिनल त्रिपाठी मामले (2018) में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के संदर्भ में प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार के तहत सूचना की स्वतंत्रता के साथ-साथ न्याय तक पहुंच का अधिकार भी आवश्यक बताया था।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन्ना के अंतिम दिन औपचारिक पीठ की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया गया। गुजरात, उड़ीसा, मध्य प्रदेश और कर्नाटक सहित कई राज्य हाईकोर्ट ने यूट्यूब पर अपनी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू कर दी है।

ईडी का दावा, हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में अवैध खनन को नियंत्रित करता है पंकज मिश्रा

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दावा किया कि धन शोधन से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार पंकज मिश्रा को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, क्योंकि वह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का राजनीतिक प्रतिनिधि है और उनके विधानसभा क्षेत्र में संचालित कथित अवैध खनन गतिविधियों को अपने सहयोगियों के जरिये नियंत्रित करता है।

ईडी ने रांची की विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत में मिश्रा और उसके दो सहयोगियों-बच्चू यादव व प्रेम प्रकाश के खिलाफ 16 सितंबर को एक आरोप पत्र दाखिल किया था।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान जारी कर बताया कि विशेष अदालत ने 20 सितंबर को आरोप पत्र और अभियोजन पक्ष की शिकायत का संज्ञान लिया।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान जारी कर बताया कि विशेष अदालत ने 20 सितंबर को आरोप पत्र और अभियोजन पक्ष की शिकायत का संज्ञान लिया।

सोरेन झारखंड के साहिबगंज जिले की बरहैट विधानसभा सीट से विधायक हैं।

ईडी ने बयान में आरोप लगाया, पीएमएलए जांच से खुलासा हुआ है कि पंकज मिश्रा, जिसे मुख्यमंत्री और बरहैट के विधायक का प्रतिनिधि होने के नाते राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, अपने सहयोगियों के माध्यम से साहिबगंज और उसके आसपास के क्षेत्रों में अवैध खनन कारोबार और क्षेत्रीय नौका परिवहन सेवाओं को नियंत्रित करता है।

जांच एजेंसी ने कहा, वह (मिश्रा) साहिबगंज में विभिन्न खनन स्थलों पर स्टोन चिप्स और बोल्डर के खनन के साथ-साथ विभिन्न क्रशर के संचालन से जुड़े मामलों में अच्छा-खासा नियंत्रण रखता है।

बयान के मुताबिक, पंकज मिश्रा द्वारा अवैध गतिविधियों से अर्जित लगभग 42 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति की पहचान की गई है।

ईडी द्वारा गिरफ्तार पंकज मिश्रा, बच्चू यादव और प्रेम प्रकाश फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

जांच एजेंसी ने कहा कि उसने राज्य में अब तक अवैध खनन से अर्जित लगभग एक हजार करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पहचान की है।

ईडी के मुताबिक, धन शोधन से जुड़े इस मामले के सिलसिले में 47 तलाशी अभियान चलाए गए, जिनमें 5.34 रुपये की नकदी, 13.32 करोड़ रुपये बैंक जमा राशि, 30 करोड़ रुपये मूल्य की नाव, पांच स्टोन क्रशर और दो ट्रक जब्त किए गए हैं।

जांच एजेंसी के अनुसार, छापेमारी में दो एके-47 राइफल भी बरामद हुए हैं, जिन्हें बाद में झारखंड पुलिस ने अपना बताया था।

ईडी की जांच तब शुरू हुई थी, जब एजेंसी ने अवैध खनन और जबरन वसूली के कथित मामलों को लेकर आठ जुलाई को झारखंड के साहिबगंज, बरहैट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा इलाके में मिश्रा और उसके कथित सहयोगियों के 19 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

ईडी ने मार्च में मिश्रा और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी शुरू की थी। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया गया था कि मिश्रा ने अवैध रूप से बड़े पैमाने पर संपत्ति हड़पी या अर्जित की है। ईडी ने साहिबगंज जिले के बरहरवा पुलिस थाने में मिश्रा के खिलाफ दर्ज राज्य पुलिस की प्राथमिकी और शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आदि की विभिन्न धाराओं के तहत अवैध खनन व्यापार मामलों में दायर कुछ अन्य पुलिस शिकायतों का संज्ञान लिया था।

यूपी की प्राइवेट चीनी मिलों पर किसानों का 3964 करोड़ बकाया, अखिलेश का तंज- योगी सरकार में मंत्री की ही सुनवाई नहीं

लखनऊ, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। यूपी में गन्ना मूल्य बकाया जहां हमेशा से मुद्दा रहा है। हालांकि योगी सरकार ने 2020-21 तक का लगभग पूरा भुगतान सुनिश्चित करा दिया है लेकिन प्रदेश की निजी चीनी मिलों पर पेराई सत्र 2021-22 का 3964.45 करोड़ रुपये बाकी होने की बात सामने आई तो पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला करने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार है, इसके बावजूद करीब चार हजार करोड़ रुपये किसानों का भुगतान नहीं हुआ और ये लोग किसानों के हितैषी बनने का दावा करते हैं। उन्होंने तंज किया कि मंत्री भुगतान करना चाहते हैं लेकिन इनकी भी सुनवाई नहीं हो रही है।

दरअसल, विधानसभा में मानसून सत्र के तीसरे दिन एक सवाल के जवाब में यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण बताया कि पेराई सत्र 2021-22 में निजी क्षेत्र की कुछ चीनी मिलों पर 3964.45 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान का बकाया है। सपा मुखिया ने इसी को लेकर सरकार पर हमला बोल दिया। विधानसभा में बुधवार को प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी के सदस्य पंकज मलिक ने चीनी मिलों पर बकाया और भुगतान के बारे में प्रश्न किया था जिसके जवाब में उत्तर प्रदेश में मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों पर पेराई सत्र 201819 201920 और 202021 का कोई गन्ना मूल्य बकाया नहीं है।

उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों पर सिर्फ पेराई सत्र 202122 का 440.67 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया है। इसी प्रकार प्रदेश की निजी क्षेत्र की चीनी मिलों पर पेराई सत्र 201819 और 201920 का कोई गन्ना मूल्य बकाया नहीं है। पेराई सत्र 202021 का एकमात्र गड़ौरा (महराजगंज) चीनी मिल पर 11.44 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य बकाया है। उन्होंने बताया कि पेराई सत्र 202122 का निजी क्षेत्र की चीनी मिलों पर 3964.45 करोड़ रुपये का बकाया है।

पूरक प्रश्न में पंकज मलिक और राष्ट्रीय लोकदल के प्रसन्न कुमार ने पूछा कि क्या किसानों को ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा और 14 दिन के भीतर जो मिल मालिक भुगतान नहीं कर रहे, उनपर क्या कार्रवाई की जाएगी। इस पर गन्ना मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव की सरकार में ब्याज माफ करने का एक आदेश हुआ था। वह मामला आज भी अदालत में लंबित है। इस पर अखिलेश यादव ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि हमें सरकार से गये साढ़े पांच साल से ज्यादा हो गये हैं। हमने किन परिस्थितियों में इसे माफ किया था, उसे ध्यान में रखे बिना मंत्री बोल रहे हैं। उन्होंने तंज किया कि मंत्री भुगतान करना चाहते हैं लेकिन इनकी भी सुनवाई नहीं हो रही है।

नरेंद्र मोदी को फंसाना चाहती थीं तीस्ता, एसआईटी के आरोपपत्र में दावा

अहमदाबाद, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। तीस्ता सीतलवाड़ और दो अन्य के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अहमदाबाद की कोर्ट में चार्जशीट फाइल की है। चार्जशीट में तीस्ता पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसमें कहा गयाहै कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को फंसाने की गहरी साजिश रची गई थी। इसमें तीस्ता के अलावा पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट और आरबी श्रीकुमार शामिल थे। ये तीनों ही चाहते थे कि नरेंद्र मोदी को जेल हो। अहमदाबाद सेशन कोर्ट में एसआईटी ने 100 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया है।

आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 194 (मौत की सजा दिलाने के लिए दोषसिद्धि के इरादे से झूठे सबूत देना या गढ़ना) और 218 (लोक सेवक द्वारा लोगों को सजा से बचाने के इरादे से गलत जानकारी दर्ज करना) समेत अन्य प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं। आरोप लगाए गए हैं कि तत्कालीन मुख्यमंत्री को फंसाने के लिए वकीलों की फौज को काम पर लगाया गया था। फर्जी दस्तावेज बनाए गए और काल्पनिक कहानियों पर पीड़ितों के साइन कराए गए। जो लोग तीस्ता का साथ देने को तैयार नहीं होते थे उन्हें धमकाया भी जाता था। पूर्व आईपीएस आरबी श्रीकुमार ने भी एक गवाह को धमकी दी थी।

चार्जशीट में कहा गया है कि तीस्ता कांग्रेस के साथ मिलकर काम करती थी और राहत शिविरों में जाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करती थीं । वह पीड़ितों को मामला राज्य से बाहर की कोर्ट में ले जाने के लिए उकसाती थीं। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि पीड़ितों के नाम पर उन्होंने चंदा इकट्ठा किया। तीस्ता और संजीव भट्ट आपस में संपर्क में थे। वे चाहते थे कि तत्कालीन मुख्यमंत्री की राजनीतिक पारी खत्म कर दी जाए।

जून के अंतिम सप्ताह में गिरफ्तार सीतलवाड़ को उच्चतम न्यायालय के दो सितंबर के आदेश के बाद अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया था। वहीं, श्रीकुमार इस मामले में जेल में बंद हैं जबकि तीसरा आरोपी भट्ट पालनपुर की जेल में है, जहां वह हिरासत में मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

जांच अधिकारी एवं सहायक पुलिस आयुक्त बी.वी. सोलंकी ने कहा कि यहां मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व आईपीएस अधिकारी से वकील बने राहुल शर्मा को भी इस मामले में गवाह बनाया गया है।

जाम के चलते समय से अदालत नहीं पहुंच सकीं वकील, हाईकोर्ट ने एसपी ट्रैफिक को किया तलब

प्रयागराज, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। ट्रैफिक जाम में फंसने की वजह से हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहीं एक अधिवक्ता समय से अदालत नहीं पहुंच सकीं। इसके चलते वह अदालत द्वारा मांगे गए कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाईं। अधिवक्ता ने जब कोर्ट के समक्ष पहुंचकर आपबीती सुनाई तो अदालत ने एसपी यातायात को तलब कर लिया। कोर्ट ने एसपी यातायात को गुरुवार सुबह 10:30 बजे अदालत में उपस्थित होकर के बताने के लिए कहा है कि जाम से निपटने के लिए उनके पास क्या इंतजाम है।

अधिवक्ता सहर नकवी बुधवार को न्यायमूर्ति एसएस शमशेरी की अदालत में एक याचिका पर बहस कर रही थीं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जब एक प्रपत्र के बारे में उनसे जानकारी मांगी तो याचिका में वह प्रपत्र उपलब्ध नहीं था। कागजात जिला न्यायालय इलाहाबाद से मिलना था जिस पर शहर नकवी ने कोर्ट से अनुरोध किया कि यदि उन्हें कुछ घंटे का समय दिया जाए तो तो वह कचहरी जाकर के कागजात ला सकती हैं। इस पर अदालत ने उनको लंच के बाद का समय दिया। शहर नकवी का कहना है कि जब वह जिला न्यायालय से कागजात लेकर के लौट रही थीं तो रास्ते में ट्रैफिक जाम में फंस गईं। जाम इतना ज्यादा था कि उससे निकलकर हाईकोर्ट तक पहुंचने में उनको चार बज गए। तब तक कोर्ट ने उनका मुकदमा खारिज कर दिया था।

सहर नकवी ने अदालत से आपबीती सुनाई और याचिका रिस्टोर करने का अनुरोध किया। इस पर कोर्ट ने उनका अनुरोध स्वीकार करते याचिका रिस्टोर करने के साथ ही एसपी यातायात को भी तलब कर लिया। कोर्ट ने एसपी से बताने के लिए कहा हैं कि जब इतना ज्यादा जाम. लग रहा हैं तो उसे खुलवाने के लिए ट्रैफिक के सिपाही क्यों नहीं लगाए गए। यह भी पूछा हैं कि शहर में जाम से निपटने के लिए क्या योजना है।

योगी से मुलाकात के बाद राजभर के बदले सुर, तारीफ के बांधे पुल

लखनऊ, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद सुभासपा चीफ ओमप्रकाश राजभर के सुर अचानक बदल गए। उन्होंने सपा-बसपा को जमकर कोसा तो सीएम की तारीफ के पुल बांध दिए। उनका आभार भी जताया। ओपी राजभर ने मंगलवार की रात सीएम योगी से मुलाकात की थी। बुधवार को उन्होंने मीडिया से कहा कि पूर्व सरकारों ने भर-राजभर को त्रिशंकु बनाकर रखा। लेकिन सीएम योगी ने हमारी बात सुनने के बाद तत्काल भर-राजभर को अनुसूचित जनजाति में शामिल किए जाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजने के निर्देश दिया है।

ओपी राजभर ने बिना नाम लिए कहा कि सपा, बसपा और भाजपा के राजभर समाज से आने वाले नेता समाज के इस मुद्दे को उठाने से डरते रहे। वो लोग भी मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर मिल सकते थे। उन्होंने कहा कि विमुक्त जातियों से छूट गईं भर-राजभर जातियों को एसटी में शामिल किए जाने का प्रस्ताव आठवीं विधानसभा में पास हुआ था। अमल न होने पर हाईकोर्ट में रिट करनी पड़ी। हाईकोर्ट ने एक महीने का नोटिस दिया है।

उन्होंने कहा कि हम इसे लेकर मुख्यमंत्री से मिले। उन्होंने पूरी बात को गंभीरता से सुना और प्रस्ताव भेजने को भी कहा। राजभर ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री के समक्ष भूमाफिया की आड़ में गरीब दलित-पिछड़ों को उजाड़े जाने का भी मुद्दा उठाया। सीएम ने फिर निर्देश दिए हैं कि किसी भी कमजोर को नहीं उजाड़ा जाएगा। उन्होंने लाल बाग चौराहे का नाम महाराज सुहेलदेव के नाम पर रखे जाने पर भी सीएम का आभार जताया।

बीजेपी और आरएसएस के आगे कभी नहीं झुकेंगे : लालू

पटना, 21 सितम्बर (का.सं.)। लंबे समय के बाद बुधवार को पार्टी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इसे 'दंगाइयों की पार्टी' करार दिया।

लालू प्रसाद यादव ने कहा कि, बीजेपी दंगाइयों की पार्टी है और हर पार्टी उसके सामने झुकी लेकिन मैंने अब तक ये कभी नहीं किया। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि लालू प्रसाद यादव उनके सामने कभी नहीं झुकेंगे। अगर मैं उनके सामने झुक गया होता तो मुझे जेल नहीं होती। मैं जेल गया, लेकिन उनके साथ कभी समझौता नहीं किया। लालू प्रसाद यादव ने कहा, मेरी बीजेपी और आरएसएस से पुरानी दुश्मनी है। इन दोनों संगठनों के नेताओं ने मुझे झुकाने की बहुत कोशिश की लेकिन मैंने ऐसा पहले कभी नहीं किया और भविष्य में भी नहीं करूंगा। आगे लालू ने कहा- देश में विपक्षी दलों की एकता पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार काम कर रहे हैं और हम 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जब वह बिहार के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने गरीबों की झोपड़ियों में जाकर भोजन किया। लालू प्रसाद ने कहा, हमारी गरीब बहनों ने मेरे लिए मक्के की रोटी और सब्जी बनाई और मुझे खाने को दिया। इस राज्य और देश के गरीब लोगों के साथ मेरा ऐसा ही रिश्ता था। उस समय सभी भाईचारे में रहते थे।

साथ ही लालू प्रसाद यादव ने कहा कि, जब बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में महागठबंधन सरकार बनी तो भाजपा नेता जंगल राज के आरोप लगा रहे थे। उनकी केवल सरकार तोड़ने की महत्वाकांक्षा है। इस बार, हम उन्हें सरकार पर सवाल उठाने का कोई मौका नहीं देंगे।

मुख्तार अंसारी को जेलर को धमकाने के मामले में सात साल की सजा

लखनऊ, 21 सितम्बर (का.सं.)। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजधानी के आलमबाग थाने के एक आपराधिक मामले में माफिया मुख्तार अंसारी को दोषसिद्ध करार दिया है। कोर्ट ने उसे सात साल कारावास की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने माफिया मुख्तार अंसारी को सात साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 37 हजार रुपए का जुर्माना भी ठोंका है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने राज्य सरकार की अपील को मंजूर करते हुए पारित किया। मामले में वर्ष 2003 में तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी ने थाना आलमबाग में मुख्तार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

जिसके अनुसार जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। साथ ही उनके साथ गाली गलौज करते हुए मुख्तार ने उन पर पिस्तौल भी तान दी थी। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने मुख्तार को बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सरकार ने अपील दाखिल की थी।

न्यायालय ने सीबीआई को दिए नीरा राडिया मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को कॉरपोरेट लाबिस्ट नीरा राडिया मामले में स्थिति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश बुधवार को दिए।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ उद्योगपति रतन टाटा की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में राडिया टेप सामने आने के मद्देनजर निजता के अधिकार की रक्षा का अनुरोध किया गया था।

इस पीठ में न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा भी शामिल हैं।

पीठ ने कहा, हम अवकाश के बाद इसे लेंगे क्योंकि अगले सप्ताह संविधान पीठ बैठ रही है। इसबीच सीबीआई अद्यतन स्थिति रिपोर्ट पेश कर सकती है।

मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।

केन्द्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एश्वर्य भाटी ने कहा कि शीर्ष अदालत की ओर से निजता के अधिकार के संबंध में दिए गए फैसले के आलोक में याचिका का निपटारा किया जाए।

गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने 2017 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के एस पुट्टास्वामी मामले में अपने आदेश में कहा था कि निजता संविधान संरक्षित अधिकार है।

भाटी ने कहा, मुझे आपको सूचित करना है कि सीबीआई को न्यायाधीशों ने सभी बातचीत की जांच करने के निर्देश दिए थे। 14 प्रारंभिक मामले दर्ज किए गए और सील बंद लिफाफे में रिपोर्ट आपके समक्ष पेश की गई। उनमें कोई अपराध नहीं पाया गए। साथ ही अब तो फोन टैप करने के दिशानिर्देश भी हैं।

टाटा की ओर से पेश वकील ने सुनवाई शुरू होने के साथ ही स्थगन की मांग की। वहीं भाटी ने कहा कि निजता पर फैसले के बाद कुछ नहीं बचता।

याचिकाकर्ता के वकील ने न्यायालय को सूचित किया कि गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) ने भी एक याचिका दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि इन टेप की बातचीत को व्यापक जनहित में सार्वजनिक किया जाए।

बहुचर्चित राडिया टेप मामले में कोई अपराध नहीं पाया गया है। सीबीआई ने खुद बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को यह बताया है। टाटा संस के चेयरमैन रतन टाटा ने पूर्व कॉरपोरेट लॉबिस्ट नीरा राडिया से जुड़ी लीक निजी बातचीत के खिलाफ अपने निजता के अधिकार की सुरक्षा के लिए शीर्ष अदालत का रुख किया था। सीबीआई के वकील ने न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ से कहा कि, उसने 5,800 बातचीत के टेप की जांच की, जिसमें कोई आपराधिक मामला नहीं बनता।

राडिया को केंद्रीय जांच एजेंसी ने क्लीन चिट दे दी। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की है।

एक दशक से भी पहले, राडिया की उद्योगपतियों, पत्रकारों, सरकारी अधिकारियों और महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अन्य लोगों के साथ फोन पर हुई बातचीत को जांच के हिस्से के रूप में लिया गया था।

टाटा ने 2011 में याचिका दायर की थी कि टेप जारी करना उनके निजता के अधिकार का उल्लंघन है।

मामले की आखिरी सुनवाई

अप्रैल 2014 में हुई थी, और शीर्ष अदालत ने कई मुद्दों को स्पष्ट किया जिसमें सरकार बनाम निजता का अधिकार, मीडिया बनाम निजता का अधिकार और सूचना का अधिकार के मुद्दे शामिल थे।

टाटा ने इस बात की जांच की मांग की थी कि बातचीत के अंश किसने लीक किए थे और एक नागरिक की निजता पर इस तरह के अंधाधुंध आक्रमण से बचाव के लिए क्या तंत्र स्थापित है।

अगस्त 2017 में, शीर्ष अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि निजता एक संवैधानिक अधिकार है। नौ न्यायाधीश अपने निष्कर्ष में एकमत थे, हालांकि उन्होंने अपने निष्कर्ष के लिए विभिन्न कारणों का हवाला दिया।

विश्वास मत पर भगवंत मान सरकार को झटका, राज्यपाल पर भड़के केजरीवाल

चंडीगढ़, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार 22 सितंबर को विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास मत हासिल करना चाहती थी। पंजाब आप ने आरोप लगाया था कि भाजपा सूबे की सरकार गिराने की कोशिश कर रही है। हालांकि अब राज्यपाल ने विशेष सत्र को रद्द कर दिया है। गवर्नर बनवारीलाल पुरोहित ने कहा है कि इस तरह का विशेष सत्र बुलाना विधानसभा के नियम में नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि 20 सितंबर को जो आदेश दिया गया था, उसे वापस लिया जाता है। अरविंद केजरीवाल ने राज्यपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

राज्यपाल के आदेश वापस लेने के बाद आम आदमी पार्टी भड़क गई है। पार्टी ने कहा है कि यह लोकतंत्र की हत्या का एक और नमूना है। प्रताप बाजवा अमित शाह के निर्देश पर काम कर रहे हैं। राज्यपाल को इसमें हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है और यह भारतीय लोकतंत्र में शर्मनाक घटना है।

गवर्नर के फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, राज्यपाल कैबिनेट द्वारा बुलाए सत्र को कैसे मना कर सकते हैं? फिर तो जनतंत्र खत्म है। दो दिन पहले राज्यपाल ने सत्र की इजाज़त दी। जब ऑपरेशन लोटस फ़ेल होता लगा और संख्या पूरी नहीं हुई तो ऊपर से फ़ोन आया कि इजाज़त वापिस ले लो। आज देश में एक तरफ़ संविधान है और दूसरी तरफ़ ऑपरेशन लोटस।

117 सीटों वाली पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी के पास 92 विधायक हैं और उसे पूर्ण बहुमत हासिल है। वहीं कांग्रेस के 18 विधायक हैं। शिरोमणि अकाली दल के तीन और भाजपा के केवल दो विधायक हैं। भगवंत मान ने कहा था कि लोगों ने उनकी सरकार को बहुमत दिया है लेकिन कुछ ताकतें दौलत के दाम पर उनके विधायकों को लुभाने में लगी हुई हैं। इसी वजह से विशेष सत्र बुलाकर भरोसा हासिल किया जाएगा।

आम आदमी पार्टी ने कहा था कि भाजपा ने उसके करीब 10 विधायकों से संपर्क किया है और उन्हें 25-25 करोड़ रुपये का लालच दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा था कि कैबिनेट की सिफारिश को संविधान के अनुच्छेद 174 (1) के तहत विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल को भेजा जाएगा। वहीं भाजपा ने आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरते हुए कहा था कि पंजाब की जनता का ध्यान सरकार की नाकामी से हटाने के लिए इस तरह की राजनीतिक धोखेबाजी की जा रही है।

विशेष सत्र के लिए स्पीकर की तरफ से विप भी जारी कर दी गई थी। कहा गया था कि सभी आप विधायक कार्यवाही के दौरान सदन में मौजूद रहें।

पूर्व डिप्टी स्पीकर वीर देवेंद्र सिंह ने भी इस विशेष सत्र को अवैध बताया था और कहा था कि विधानसभी नियमों की जांच होनी चाहिए। वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने कहा था कि सरकार जब चाहे विश्वास मत हासिल कर सकती है।

यादव-मुस्लिम बहुत सीमांचल बीजेपी के लिए चुनौती, सियासी समीकरणों से महागठबंधन मजबूत

किशनगंज, 21 सितम्बर (नि.सं.)। मिशन 2024 और 2025 में सीमांचल में भाजपा के किले को मजबूत बनाने की रणनीति पर काम शुरू हो गया है। सीमांचल के चारों जिले पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार में भाजपा की डोर अब भी कमजोर है। बिहार में जेडीयू से अलग होने के बाद भाजपा के लिए सीमांचल में चुनौती और बढ़ गयी है। मिशन 2024 के मद्देनजर भाजपा ने बिहार में 35 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। गृह मंत्री अमित शाह के 23 और 24 सितंबर के सीमांचल दौरे को इस लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कोसी और सीमांचल के जिलों के भाजपा संगठन के पदाधिकारियों की बैठक किशनगंज में रखना कहीं न कहीं इसी ओर इशारा कर रहा है। अमित शाह के बहाने भाजपा सीमांचल के साथ-साथ बंगाल को भी साधने में लग गयी है। किशनगंज से बंगाल का क्षेत्र सटा रहने के कारण भाजपा की नजर उधर भी है।

सीमांचल के चारों जिले में 24 विधानसभा सीट है। यादव और मुस्लिम बहुल यह इलाका शुरू से भाजपा के लिए चुनौती भरा रहा है। एनडीए गठबंधन में दरार आने के बाद सीमांचल के चारों जिले में भाजपा की पकड़ ढीली पड़ गयी है। जिसे मजबूत बनाना भाजपा के लिए इतना आसान नहीं होगा।

सीमांचल के चुनाव नतीजों पर गौर करें तो वर्ष 2014 में जब देश में मोदी लहर थी तब भी बीजेपी यहां की 4 लोकसभा सीटों में से कोई भी सीट नहीं जीत पायी थी। 2019 के चुनाव में बीजेपी को एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा था। वहीं विधानसभा के नतीजों की बात करें तो 2015 के चुनाव में कांग्रेस ने सीमांचल से 9 सीटें जीती थी। जेडीयू को 6, बीजेपी को 6 और आरजेडी को 3 सीटें मिली थी। एक सीट भाकपा माले को गयी थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को 7 सीटें मिली थी। 5 सीटें एआईएमआईएम ने जीती थी और एनडीए को 12 सीटें मिली थी।

लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। एआईएमआईएम के पांच विधायक राजद में जा चुके हैं। एनडीए से टूटने के बाद जेडीयू भी आरजेडी के साथ महागठबंधन में शामिल हो गया है।

सीमांचल में भाजपा के पास अब 7 सीटें ही बच गयी है। वहीं महागठबंधन के सीटों की संख्या बढ़कर 17 हो चुकी है जिनमें जेडीयू की भी सीटें है। इससे स्पष्ट है कि सीमांचल में महागठबंधन का पलड़ा भारी पड़ गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर बीजेपी नेताओं का आगमन शुरू हो गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल यहां पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मंथन कर चुके हैं। वहीं भाजपा के बिहार के सह प्रभारी सांसद हरीश द्विवेदी भी यहां पहुंच चुके हैं। सीमांचल में इस समय बिहार बीजेपी के दर्जनों नेता कैंप कर रहे हैं ताकि अमित शाह की रैली में ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाकर अपनी ताकत दिखाई जा सके।

आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध जीरो टॉलेरेंस की नीति जारी रहेगी: अमित शाह

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (का.सं.)। नक्सल ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। कई दुर्गम इलाकों को नक्सलियों के कब्जे से आजाद कराया गया है। इस मौके पर अमित शाह ने सुरक्षा बलों को बधाई दी है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध गृह मंत्रालय की जीरो टॉलेरेंस की नीति जारी रहेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा में एक आज ऐतिहासिक पड़ाव पार हुआ है। देशभर में वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध चल रही निर्णायक लड़ाई में सुरक्षाबलों ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इसके लिए सीआरपीएफ, सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिसबलों को बधाई देता हूँ।

अमित शाह ने आगे कहा कि शीर्ष माओवादियों के गढ़ में महीनों तक चले इन अभियानों में सुरक्षा बलों को अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। इसके तहत 14 माओवादियों को मार गिराया गया है और 590 से अधिक की गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण हुआ है। इनमें लाखों-करोड़ों के ईनामी माओवादी जैसे मिथिलेश महतो जिसपर 1 करोड़ का इनाम था पकड़े गए हैं।

अमित शाह ने ये भी बताया कि पहली बार बूढा पहाड़, चक्रबंधा और भीमबांध के दुर्गम क्षेत्रों से माओवादियों को सफलतापूर्वक निकालकर सुरक्षाबलों के स्थायी कैंप स्थापित किये गए हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध गृह मंत्रालय की जीरो टॉलेरेंस की नीति जारी रहेगी और ये लड़ाई आगे और तेज होगी।

गंगटोक शहर में लाल .....

जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। उप्रेती ने बताया कि हितधारकों की समस्या के तत्काल समाधान के लिए वह संबंधित विभाग के साथ बैठक करेंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पीएस गोले के नेतृत्व में स्मार्ट सिटी गंगटोक योजना के तहत शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के फेस-लिफ्ट का कार्य शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगटोक शहर में लाल बाजार का ऐतिहासिक महत्व है और बाजार के उन्नयन का काम चल रहा है। बारिश और महामारी के कारण अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो सका, हालांकि, काम अब युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि एक बार चल रहा काम पूरा हो जाने के बाद, लाल बाजार एक अनोखे अवतार में दिखाई देगा।

उपमहापौर श्रीमती भूटिया ने अनधिकृत रूप से दुकानों पर कब्जा करने के संबंध में कहा कि अनधिकृत दुकानों को खाली कराने के संबंध में सभी हितधारकों को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से जीएमसी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में निरीक्षण करेगी और किसी भी अनधिकृत कब्जे को कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उप महापौर ने कहा कि किसी को परेशान करने या असुविधा पैदा करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन परिसर में जनता के लिए आवंटित जगह को मुक्त करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि अनधिकृत कब्जे के मामले में बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई शुरू की जाएगी जिसके लिए किसी भी हितधारक को अन्यथा महसूस नहीं करना चाहिए।

रवीन्द्रनाथ टैगोर उद्यान .....

जाने की घोषणा की थी। उसके अनुसार ही पर्यटन विभाग ने 41 करोड़ रुपये की लागत से इस उद्यान और सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण शुरू किया है। इसके अंतर्गत नोबेल पुरस्कार विजेता कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर की 26 फीट ऊंची प्रतिमा, तीन बहुउद्देश्यीय भवन, वाहन पार्किंग क्षेत्र, दो पारम्परिक द्वार और गुम्बा परिसर के साथ एक उद्यान का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

प्राख्नत जानकारी के अनुसार रिनचेनपोंग निवासियों द्वारा लंबे समय से कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर की मूर्ति स्थापित करने की मांग की जा रही थी। टैगोर ने 1912 से पहले रिनचेनपोंग के पीडब्ल्यूडी डाक बंगला में ही रहते हुए अपनी नोबेल पुरस्कार विजेता कविता संग्रह गीतांजलि की रचना की थी। रिनचेन छोलिंग गुम्बा की स्थापना 1993 में हुई थी। वर्तमान में गुम्बा का संचालन एक ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। गुम्बा के बुनियादी ढांचे के विकास और निर्माण में राज्य सरकार के साथ ही मठ से जुड़े सदस्यों एवं काफी अनुयायियों ने भी मदद की है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAXMI WEALTH WEDNESDAY
Draw No:16 DrawDate on:21/09/22
1st Prize ₹10,000/- 5215 7404
2nd Prize ₹5,000/- 5798 7275
3rd Prize ₹2,000/- 3469 6931
4th Prize ₹1,000/- 6889 7355
5th Prize ₹500/-
3069 3519 5416 6124 7840 8192
6th Prize ₹200/-
0005 0007 0048 0056 0073 0077 0098 0139 0147 0188
0225 0415 0489 0542 0563 0575 0617 0644 0667 0700
0746 0751 0774 0874 0928 0960 0982 1053 1062 1120
1128 1145 1168 1192 1262 1359 1382 1502 1584 1624
1635 1816 1877 1882 1952 1963 1965 1979 2018 2049
2075 2087 2097 2110 2113 2160 2185 2213 2258 2287
2292 2336 2338 2351 2385 2432 2444 2448 2464 2468
2475 2537 2613 2739 2797 2860 2902 2905 2971 3071
3092 3106 3118 3121 3132 3151 3168 3173 3179 3185
3221 3246 3261 3272 3280 3311 3386 3417 3480 3502
3669 3672 3673 3682 3734 3773 3780 3808 3915 3927
3943 3970 4018 4038 4057 4058 4063 4140 4173 4185
4215 4223 4225 4242 4320 4403 4438 4469 4513 4562
4589 4687 4712 4732 4768 4874 4932 5020 5047 5108
5127 5187 5202 5221 5288 5309 5359 5366 5425 5457
5467 5500 5580 5660 5691 5697 5711 5767 5790 5796
5863 5953 5963 5965 5994 5995 6009 6048 6061 6071
6087 6109 6133 6164 6190 6237 6265 6277 6292 6295
6296 6313 6335 6349 6364 6371 6472 6474 6491 6498
6501 6509 6510 6519 6543 6552 6592 6660 6663 6689
6690 6702 6725 6745 6753 6795 6858 6872 6906 6911
6971 6975 7081 7119 7130 7156 7170 7233 7261 7307
7368 7390 7466 7512 7518 7587 7590 7627 7647 7702
7739 7775 7883 7890 7896 7902 7918 7938 8010 8088
8110 8114 8122 8187 8232 8271 8327 8331 8358 8411
8415 8416 8429 8555 8593 8594 8599 8600 8635 8636
8684 8724 8774 8829 8831 8839 8871 8882 9017 9018
9022 9109 9115 9142 9200 9205 9235 9262 9318 9362
9375 9420 9493 9509 9551 9571 9588 9590 9649 9734
9762 9794 9798 9811 9841 9921 9928 9975 9978 9998
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:21/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 82K 45467
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 45467 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
19602 20586 24254 30648 37363 37930 45038 71964 77397 98319
3rd Prize ₹450/-
0469 1944 3652 5252 6429 7813 8014 9013 9255 9288
4th Prize ₹250/-
1952 2618 3829 4226 4523 5551 6364 7535 9087 9294
5th Prize ₹120/-
0167 0281 0292 0295 0511 0522 0621 0755 1176 1247
1263 1271 1443 1798 1803 1912 2131 2311 2336 2382
2402 2411 2417 2579 2764 2812 2842 2875 2912 3132
3208 3409 3416 3425 3447 3775 3803 3909 3976 3986
4099 4182 4288 4378 4382 4384 4410 4517 4644 4743
5091 5147 5253 5291 5314 5331 5366 5384 5517 5744
6143 6318 6592 6743 6848 6959 7075 7136 7291 7391
7544 7552 7619 7666 7682 7702 7747 7799 7908 7922
7972 7989 8196 8280 8464 8514 8537 8668 8753 8884
8943 8969 8991 9126 9151 9156 9454 9739 9779 9906
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:21/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 96G 96008
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 96008 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04283 16963 17702 30065 34710 42826 45891 51349 79235 86989
3rd Prize ₹450/-
1992 2565 3375 4712 4739 5834 6418 7820 8087 8632
4th Prize ₹250/-
1869 2118 4407 7422 7769 8208 9101 9374 9662 9878
5th Prize ₹120/-
0072 0078 0103 0311 0489 0843 1033 1160 1288 1369
1572 1573 1588 1630 1672 1700 2008 2114 2426 2451
2550 2575 2580 2610 2936 2991 3077 3078 3127 3217
3274 3440 3506 3690 3723 3872 3897 3959 4107 4314
4504 4508 4555 4624 4747 4814 4894 4900 5098 5099
5113 5126 5186 5353 5413 5473 5583 5660 5828 5968
6063 6138 6143 6286 6390 6442 6482 6575 6681 6695
6898 6915 6948 7023 7201 7233 7448 7495 7511 7696
7892 7989 8119 8187 8306 8359 8364 8392 8567 8604
8732 8918 8924 9055 9180 9439 9451 9567 9831 9920
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:195 DrawDate on:21/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 75G 69475
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 69475 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06650 19796 32164 40187 63812 65688 66333 78008 84608 99274
3rd Prize ₹450/-
2085 2477 3710 3815 4641 5916 6098 6642 9446 9649
4th Prize ₹250/-
2034 2094 2432 3152 3639 4195 4964 5545 5674 7886
5th Prize ₹120/-
0053 0267 0281 0445 0649 0665 0851 0881 0942 1265
1418 1428 1521 1805 1910 1916 2107 2129 2140 2670
2765 3028 3054 3124 3135 3318 3430 3549 3633 3686
3941 3946 4232 4301 4338 4340 4482 4509 4527 4622
4745 4825 4866 4899 5125 5277 5337 5409 5451 5461
5472 5535 5539 5572 5588 5649 5744 5776 5779 6189
6242 6401 6485 6497 6540 6607 6632 6744 6766 6892
7152 7391 7675 7692 7715 7851 8166 8276 8301 8395
8503 8537 8576 8587 8588 8701 8776 8812 9181 9257
9270 9289 9333 9440 9476 9678 9749 9957 9991 9992
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

थरूर का चुनाव लड़ना अच्छा

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर पार्टी के अंदर और बाहर चर्चा-परिचर्चा तो बहुत चल रही है, लेकिन अभी तक मामला कयासबाजी से आगे नहीं बढ़ा है। हालांकि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की तारीख 24 से 30 सितंबर है, इसलिए प्रत्याशियों के नामों की औपचारिक घोषणा अभी न होना कोई खास बात नहीं है। खास बात यह है कि प्रत्याशियों को तो छोड़िए चुनावों को लेकर भी असमंजस की स्थिति मिट नहीं पा रही। अब तक जिस एक प्रत्याशी को लेकर तस्वीर कुछ हद तक साफ हुई है वह हैं पार्टी के कथित असंतुष्ट गुट जी 23 के सदस्य माने जाने वाले शशि थरूर। किंतु परंतु के साथ ही सही, लेकिन उन्होंने यह बात सार्वजनिक तौर पर कह दी है कि वह पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। दो दिन पहले वह पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मिले। सूत्रों के हवाले से आई खबरों के मुताबिक सोनिया ने उनसे कहा कि वह इन चुनावों में निरपेक्ष रहेंगी और शशि चाहते हैं तो चुनाव जरूर लड़ें।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर पार्टी के अंदर और बाहर चर्चा-परिचर्चा तो बहुत चल रही है, लेकिन अभी तक मामला कयासबाजी से आगे नहीं बढ़ा है। हालांकि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की तारीख 24 से 30 सितंबर है, इसलिए प्रत्याशियों के नामों की औपचारिक घोषणा अभी न होना कोई खास बात नहीं है। खास बात यह है कि प्रत्याशियों को तो छोड़िए चुनावों को लेकर भी असमंजस की स्थिति मिट नहीं पा रही। अब तक जिस एक प्रत्याशी को लेकर तस्वीर कुछ हद तक साफ हुई है वह हैं पार्टी के कथित असंतुष्ट गुट जी 23 के सदस्य माने जाने वाले शशि थरूर। किंतु परंतु के साथ ही सही, लेकिन उन्होंने यह बात सार्वजनिक तौर पर कह दी है कि वह पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। दो दिन पहले वह पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मिले। सूत्रों के हवाले से आई खबरों के मुताबिक सोनिया ने उनसे कहा कि वह इन चुनावों में निरपेक्ष रहेंगी और शशि चाहते हैं तो चुनाव जरूर लड़ें।

जब एक तरफ चुनावों की घोषणा हो चुकी है, नामांकन दाखिल करने की तिथि करीब आ रही है, तो दूसरी तरफ प्रदेश इकाइयों का यह प्रस्ताव सहज ही सवाल पैदा करता है कि आखिर पार्टी में चल क्या रहा है और पार्टी नेतृत्व की असली मंशा क्या है। कांग्रेस की अब तक की रीति नीति को देखते हुए यह राय बनना अस्वाभाविक नहीं है कि राहुल गांधी को अपना मन बदलने का बहाना मुहैया कराने के लिए यह पूरी कवायद कराई जा रही है। दूसरी संभावना यह है कि खुद को अति वफादार साबित करने के लिए क्षेत्रीय नेता अपने मन से यह करवा रहे हों। सचाई जो भी हो और प्रत्याशी चाहे जैसे भी हों जितने भी हों, अध्यक्ष का चुनाव घोषित कार्यक्रम के मुताबिक और निष्पक्ष, पारदर्शी तथा विश्वसनीय तरीके से हो, यही पार्टी के हित में है।

जब बेटी हो बेटी की दुश्मन, तब बेटी को कौन बचाये?

निर्मल रानी

पुरुषों द्वारा महिलाओं पर अत्याचार,उनका शोषण व उत्पीड़न करने की अनेक घटनायें आये दिन सुर्ख़ियों में रहती हैं। अक्सर महिलाओं द्वारा संगठित होकर ऐसे अपराधों व अपराधियों के विरुद्ध आवाज़ भी उठाई जाती है। ऐसे अवसरों पर महिलाओं के प्रति सहानुभूति रखने वाले व उनके मान सम्मान व महिला अधिकारों की क़द्र करने वाले तमाम पुरुष,युवक व छात्र उनके साथ उनकी आवाज़ से आवाज़ मिलाते भी देखे जाते हैं। क्योंकि हर न्यायप्रिय मानवतावादी पुरुष यह भी जानता है कि वह भी किसी महिला का पुत्र उसका भाई,पति या पिता है। महिलाओं की शिकायतों के समाधान हेतु सरकार द्वारा महिला आयोग गठित किये गये हैं। कई जगह महिला थाने बनाये गये हैं। परन्तु हमारे ही देश में यह कहावत भी ख़ूब प्रचलित है कि औरत की सबसे बड़ी दुश्मन औरत ही होती है।

ज़ाहिर है आम भारतीय परिवारों में प्राय: होने वाले सास-बहू,ननद-भाभी,जेठानी आदि से होने वाले घरेलू झगड़ों के चलते यह कहावत प्रचलन में आई होगी। यह भी सच है कि एक महिला अपनी बहू से बेटा पैदा करने के लिये जितनी आस लगाकर रखती है उतना उसका बेटा भी नहीं रखता। और ख़ुदा न ख़्वास्ता किसी औरत ने एक या दो तीन बेटियों को लगातार जन्म दे दिया तो सबसे अधिक सास की नज़रों में वह बहू खटकने लगती है। उसकी नज़रों से गिर जाती है। जहालत भरी इस सोच ने न जाने कितने घरों को बर्बाद किया है। तमाम बहुओं को इन्हीं परिस्थितियों में ख़ुदकशी तक करनी पड़ी है। नारी संबंधी अपराध की भी यदि पड़ताल करें तो हमारे ही समाज में अनेकानेक ऐसी महिलायें भी मिलेंगी जो कभी प्रेमिका के रूप में दूसरी महिला का घर उजाड़ देती हैं। कहीं महिलायें ही युवतियों को देह व्यापार में धकेल देती हैं, कहीं पेशेवर अपराधी बनकर महिलायें समाज को कलंकित करती और वह भी महिलाएं ही होती हैं जो अपने नवजात शिशुओं विशेषकर नवजात कन्याओं को कभी कूड़े के ढेर पर तो कभी नालों में कुत्तों के नोचने के लिये फेंक आती हैं। और यदि ऐसी ही विकृत व घृणित मानसिकता की कोई लड़की कॉलेज या विश्वविद्यालय तक पहुँच जाये तो कितनी ही लड़कियों की इज़्ज़त और उनकी ज़िन्दिगी से खिलवाड़ करने से भी नहीं हिचकिचाती।

ऐसी ही अपराधी व विकृत मानसिकता की एक लड़की पर आरोप है कि उसने पिछले दिनों चंडीगढ़ से 24 किलोमीटर दूर चंडीगढ़-लुधियाना राजमार्ग पर घंडुआ क़स्बे में स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी नामक एक निजी विश्व विद्यालय में लड़कियों के छात्रावास के बाथरूम में नहाते समय कथित तौर पर अपनी लगभग 60 साथी छात्राओं का गुप्त रूप से वीडियो बनाया था। छात्रा पर आरोप है कि उसने ऐसे आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उन्हें अपने किसी युवक मित्र को शिमला भेज दिया। और उस लड़के ने कथित तौर पर इनमें से कुछ आपत्तिजनक वीडियो इंटरनेट के माध्यम से वायरल कर दीं। यह वीडियो वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय के छात्र व छात्राएं ग़ुस्से में सड़कों पर उतर आये प्रदर्शन के दौरान कई लड़कियों के बेहोश होने की ख़बरें आईं। 'हॉस्टल के अंदर काफ़ी तोड़फोड़ हुई और अभियुक्त लड़की को इसी विश्वविद्यालय से व उसके मित्र सहित एक अन्य लड़के को शिमला से गिरफ़्तार कर लिया गया है । यह दोनों ही अभियुक्त रोहड़ू (हिमाचल प्रदेश) के रहने वाले बताये जा रहे हैं।

इस घटनाक्रम में कुछ पीड़ित छात्राओं द्वारा आत्म हत्या किये जाने की भी अपुष्ट व भ्रामक ख़बरें आई थीं।

परन्तु पुलिस व विश्वविद्यालय प्रशासन ने आत्म हत्या किये जाने की ख़बरों को महज़ अफ़वाह बताया। घटना की जांच हेतु पंजाब पुलिस ने तीन सदस्यों की महिला टीम गठित की है। परन्तु इस घटना के बाद छात्राएं ख़ुद को असुरक्षित ज़रूर महसूस कर रही हैं और चाहती हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी सुरक्षा के कड़े क़दम उठाए। घटना से क्षुब्द कई अभिभावक अपने बच्चों को छात्रावास से वापस बुला रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि विश्वविद्यालय में हालात सुधरने पर उन्हें वापस भेज दिया जायेगा। उधर इस मामले के सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी में छुट्टी भी कर दी गई है।

इस विषय पर प्रशासनिक व क़ानूनी कार्रवाई से अलग चिंतन करने का जो सबसे बड़ा विषय है वह यह कि अपने अपने घरों में मिलने वाले पारिवारिक सुख चैन को छोड़कर परिजनों से दूर छात्रावास में रहकर अपने उज्जवल भविष्य के सपने संजोने वाली इन युवतियों से विश्वासघात करने व उनके जीवन व भविष्य से खिलवाड़ करने वाली भी एक छात्रा ही है। वह एक लड़की है न कि कोई लड़का ? ज़रा सोचिये यदि कोई पुरुष चोरी-छुपे इस तरह बाथरूम में स्नान करती हुई लड़कियों के वीडीओ बनाता तो यह कहा जाता कि यह पुरुषों की 'वासनावादी सोच' का नतीजा है। पुरुष तो होते ही ऐसे हैं,आदि आदि। परन्तु जब एक विश्वविद्यालय की एक छात्रा ही इतनी गन्दी व घटिया सोच के साथ छात्राओं के बीच रह रही है और न केवल उनकी आपत्तिजनक वीडीओ बनाती है बल्कि उन्हें अपने ब्वॉय फ्रेंड को भेजकर उन्हें वायरल करवाने की भी भागीदार बनती है,ऐसी विकृत मानसिकता रखने वाली लड़की से उसके शेष जीवन में क्या उम्मीद की जा सकती है। उसकी इस शर्मनाक हरकत से न केवल पीड़ित लड़कियों को सारी उम्र शर्मिन्दिगी उठानी पड़ेगी बल्कि अपनी इस 'कारनामे' से अपराधी मानसिकता की इस अभियुक्त छात्रा ने स्वयं अपना जीवन भी दाग़दार बना डाला। उसने महिलाओं के प्रति अपना विश्वास हमेशा के लिये खो दिया। यह घटना उसके अपने भविष्य व चरित्र को भी हमेशा प्रभावित करेगी।

बहरहाल इस बेहद शर्मनाक घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वास्तव में औरत की सबसे बड़ी दुश्मन औरत ही होती है। और साथ ही छात्रावास में रहकर पढ़ लिखकर अपने उज्जवल भविष्य के सपने देखने वाली बेटियों के सामने भी यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब बेटी ही हो जाये बेटी की दुश्मन,तब बेटी को कौन और बचाये ?

अमेरिका का पाक पर भरोसा

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

काबुल और एबटाबाद की दूरियां भले ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाएं बढ़ा देती हों लेकिन इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान की सेना की बिना मदद के अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए न तो एबटाबाद में लादेन को मार सकती थी और न ही काबुल में अल-जवाहिरी को।

दरअसल, अमेरिका को न तो मध्य पूर्व के अरबों पर भरोसा है, और न ही तालिबान पर। अमेरिकियों का भरोसा पाकिस्तान की सेना पर है, और यह साझेदारी 1950 के दशक से चली आ रही है। पिछले आठ दशकों में अमेरिका और पाकिस्तान में सरकारें और सत्ता भले ही परिवर्तित होती रही हों लेकिन पाकिस्तान और अमेरिका के सैन्य संबंध हमेशा मजबूत रहे हैं। अमेरिकी सैन्य योजनाकारों का मानना है कि कराची और लाहौर में मौजूद अमेरिकी बमवर्षक मध्य-पूर्व की तेल सुविधाओं और साम्यवादी दुश्मन रूस तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इसीलिए अमेरिका के लिए उसका महत्त्व हमेशा बरकरार रहा है। वहीं भारत को लेकर अमेरिका की विदेश नीति संशय और आदर्शवाद का विचित्र मिशणहै। वह भारत का सहयोग तो चाहता है, लेकिन उसे चीन के प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभार देने को भी तत्पर नजर आता है।

अमेरिका भारत के साथ हिंद प्रशांत में सैन्य साझेदारी तो कर रहा है, लेकिन उसकी अपेक्षा यह भी है कि भारत रूस से संबंधों को सीमित करके खत्म कर दे। बाइडेन प्रशासन भारत से अपने हितों के अनुसार व्यवहार नहीं कर पाया तो उसने वापस कदम पाकिस्तान की ओर बढ़ा दिए। गौरतलब है कि दो दशक पहले अमेरिका में हुए आतंकी हमलों में पाकिस्तानी आतंकियों का हाथ उजागर होने के बाद अमेरिकी प्रशासन ने पाकिस्तान को नियंत्रित करने की कोशिशें तो बहुत की लेकिन जब वह फलीभूत न हो सकीं तो उसने पाकिस्तान के सामरिक उपयोग को तरजीह देने की नीति को आगे बढ़ा दिया और इसमें उसने भारतीय हितों की अनदेखी करने से भी परहेज नहीं किया।

अमेरिका अपने उद्देश्यों और राष्ट्रीय हितों के लिए स्थापित नैतिक मापदंडों से इतर व्यवहार करने से संकोच नहीं करता। जॉर्ज वॉशिंगटन के दौर से ही ऐसा चला आ रहा है। आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू अच्छी तरह से जानते थे कि पूंजीवाद के कोई नैतिक मापदंड नहीं होते और देशकाल व स्थितियों के अनुसार इसके भिन्न रूप सामने आ सकते हैं। अत: उन्होंने अमेरिका पर कभी भरोसा न करते हुए नियंत्रण और संतुलन को तरजीह दी थी। नेहरू मानते थे कि पूंजीवादी तंत्र लाभ के लिए चलाया जाता है, और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने उस रास्ते पर ही कदम बढ़ाए हैं। बाइडेन सरकार ने लड़ाकू विमान एफ-16 के रखरखाव के लिए पाकिस्तान को 45 करोड़ डॉलर देने पर हामी भरते हुए कहा है कि इसके तहत पाकिस्तान सरकार के पास पहले से मौजूद एफ-16 विमानों की मरम्मत की जाएगी और उपकरण भी दिए जाएंगे।

भारत का कहना है कि अमेरिका के इस कदम से भारत की सुरक्षा चुनौतियां बढ़ेंगी वहीं अमेरिका ने ऐसी किसी संभावना से इंकार किया है। भारत की सुरक्षा चिंताएं अपनी जगह सही हैं, लेकिन वह इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि अमेरिका और पाकिस्तान के रक्षा संबंधों का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है, जहां मदद और प्रतिबंध साथ-साथ चलते रहे हैं। पिछले दो दशकों से अमेरिका और भारत के संबंधों में अभूतपूर्व वृद्धि जरूर हुई है, जो इस समय उच्च स्तर पर है।

पिछले कुछ सालों में भारत और अमेरिका का साझा हित बढ़े हैं, और सामरिक और आर्थिक साझेदारियां भी बढ़ी हैं। वहीं अमेरिकी विदेश नीति बेहद यथार्थवादी है और पाकिस्तान के भू-राजनीतिक और रणनीतिक महत्त्व को समझती है। अमेरिका और पाकिस्तान की सेना के संबंध राजनीतिक परिवर्तनों से अप्रभावित रहे हैं, और इसी का परिणाम है कि इमरान खान को रूस यूक्रेन युद्ध के समय रूस की यात्रा करना भारी पड़ गया था। अमेरिका के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं-रूस और चीन। वहीं अमेरिका का आर्थिक रूप से मजबूत बने रहने के लिए उसका मध्य पूर्व पर सामरिक नियंत्रण अपरिहार्य है। इन स्थितियों में अमेरिका के अधिकांश हित पाकिस्तान से पूरे हो सकते हैं।

भारत लोकतांत्रिक देश है और भारत की जमीन का सामरिक उपयोग करने में अमेरिका को कामयाबी मिलना आसान नहीं दिखता। दूसरी ओर, पाकिस्तान राजनीतिक अस्थिरता के चलते सेना के प्रभाव में है, और यह स्थिति अमेरिकी हितों के लिए मुफीद है। रूस यूक्रेन युद्ध के चलते पश्चिम की रूस पर अंकुश लगाने की कोशिशों में भारत के रु ख को पश्चिम के अनुकूल न समझा गया। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी भारत को बेहतर कदम उठाने की सलाह दी थी। भारत की अपनी आर्थिक और सामरिक मजबूरियां रही हैं जिनसे निपटने के लिए रूस विसनीय साझीदार रहा है। यह साझेदारी रूस यूक्रेन संकट में बढ़ी और यहीं से भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच समस्याएं भी बढ़ गई।

भारत दुनिया का दूसरा बड़ा तेल आयातक देश है। कोरोना काल में भारत की आर्थिक समस्याओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई और इस संकट से उबरने के लिए रूस भारत का बदली परिस्थितियों में बड़ा मददगार बन गया। भारत, जो शायद ही कभी रूसी तेल खरीदता था, अब चीन के बाद मास्को का दूसरा सबसे बड़ा तेल आयातक बन गया है। इस कारण मॉस्को को पश्चिमी प्रतिबंधों के असर से बचने में मदद मिल रही है। साथ ही भारत ने यूक्रेन में रूसी हमलों की सार्वजनिक रूप से आलोचना नहीं की है।

अमेरिका के सामरिक,आर्थिक और राष्ट्रीय हित भारत की संतुलनकारी नीति से पूरे नहीं हो रहे हैं। वहीं पाकिस्तान को लेकर अमेरिका आस्त है। वह अमेरिकी मदद के बदले तालिबान खड़ा कर सकता है, और अल कायदा को समाप्त भी कर सकता है।

अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा महत्त्वपूर्ण अफगानिस्तान, मध्य एशिया, ईरान और रूस में उसके सामरिक और आर्थिक हित हैं, और इन पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान सबसे बेहतर जगह है। जाहिर है, आने वाले समय में पाकिस्तान और अमेरिका की साझेदारी बढ़ेगी और भारत पर दबाव भी बढ़ेगा।

समान नागरिकता में ही राष्ट्र की मजबूती

प्रदीप कुमार

आजादी के 75 साल बाद गंभीर विमर्श का एक विषय यह भी होना चाहिए कि पहले और दूसरे विश्व युद्ध के बीच और दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा क्यों हुआ कि कुछ नई-नई ताकतें उभरीं, कुछ देश संभावनाओं के बाद भी ताकतवर नहीं बन पाए, कुछ बनकर बिखर गए या उपनिवेशवाद के उन्मूलन के बाद भी कोई नई उपनिवेशवादी ताकत क्यों दिन ब दिन शक्तिशाली होती जा रही है।

या विश्व विजेता' सिकंदर महान' को झेलम के तट पर एक छोटे राजा पुरु ने विजय से क्यों वंचित कर दिया और थकी-हारी सेना के कमांडर सिकंदर का वापसी पर कुछ दिन बाद निधन हो गया। या मौर्य जाति के सम्राट चंद्रगुप्त तपी-तपाई यूनानी सेना को अफगानिस्तान तक खदेड़कर घुटने टेकने के लिए मजबूर करने में क्यों कामयाब हुए। या बाबर ने वन डे मैच की तरह पानीपत में इब्राहिम लोदी और खानवा में कई राजपूत सेनाओं के प्रधान सेनापति राणा सांगा को क्यों हरा दिया।

या दुनिया की सबसे बड़ी थल सेना के स्वामी सम्राट अकबर के जीवन काल में ही दूर-दराज से आई औपनिवेशिक शक्तियां कैसे पैर जमाने लगीं। या प्रतापी औरंगजेब की सेना को छोटे अहोम राजा ने भागने को कैसे बाध्य कर दिया। या टापू देश, ब्रिटेन के व्यापारी फ्रांस, पुर्तगाल और डच ताकतों को परास्त कर देसी राजे-रजवाड़ों को वशीभूत करते हुए भारत में साम्राज्य किस प्रकार कायम कर बैठे।

सैकड़ों साल बाद इन हार-जीतों का कोई एक कारण नहीं बताया जा सकता। लेकिन एक कारक शताब्दियों के इतिहास में अनिवार्यत: विद्यमान रहा है। वह यह है : कोई बनता हुआ साम्राज्य या बन चुका साम्राज्य, शक्तिवान बनने का महत्वाकांक्षी देश या नवोदित राष्ट्र, खासतौर से विविधतापूर्ण समाज भावनात्मक स्तर पर एकजुट है या नहीं। अंतर्विरोधों का समाधान करते हुए संपूर्ण समाज को मर्मांतक मुष्टिक प्रहार की मुद्रा में ढाल पाने में कोई कितना सफल रहा है।

यह भी देखना होगा कि यह प्रक्रिया कहीं बाधित तो नहीं हो रही। हजारों साल की सांस्कृतिक एकता के बावजूद, अंधकार के एक दौर के बाद,1947 में ब्रिटिश उपनिवेशवादियों से प्राप्त जिस विशाल प्रशासकीय तंत्र को 1950 में भारत की उच्चतम मेधाओं ने संविधान प्रदान कर सर्व समावेशी संघीय गणतंत्र का रूप दिया, उसकी चट्टानें हिमालय की भांति हैं; अफ्रीकी पर्वत माला का रूप लेने के लिए जो वक्त लगता है, वह तो लगेगा ही। भारत जैसे गणतांत्रिक देश में इसका अर्थ यह हुआ कि समान नागरिकता का बोध लगातार मजबूत हो रहा है या नहीं, संविधान और गणतंत्र के प्रति आस्था क्षीण तो नहीं हो रही, विधि के शासन का क्षरण तो नहीं हो रहा और कुल मिलाकर अभिकेंद्रीय तत्व सुदृढ़ हो रहे हैं अथवा अपकेंद्रीय। कुछ घटनाओं से सहज निष्कर्ष निकलता है कि हमारे माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई पड़नी चाहिए। गौर करें।

किसी शहर के एक अपार्टमेंट में दबंग निवासी सोसाइटी के नियमों के विपरीत अवैध कब्जा कर लेता है, विरोध करने पर अन्य निवासियों को धमकाता है, मारपीट पर उतर आता है, मुस्टंडे बुला लेता है, राजनीतिक वजहों से हीला-हवाली के बाद पुलिस कार्रवाई करती है, तो घटनाक्रम बिलकुल दूसरा मोड़ ले लेता है। उस दबंग की बिरादरी सड़कों पर आने लगती है, चार-पांच घंटे टोल फ्री करा लिया जाता है, सभाएं होने लगती हैं, बेमियादी धरने का एलान कर दिया जाता है और कानून के हाथ ढीले पड़ने लगते हैं।

कानून का पालन करते हुए कोई अधिकारी एक सहयोगी भाषा के प्रयोग का निर्देश देता है। इस पर उसे अविलंब निलंबन का सामना करना पड़ता है। संविधान की कसम खाने वाला एक व्यक्ति, जिसकी बिरादरी सामाजिक न्याय और समानता के लिए संघर्षरत रही है, मांग करता है कि अमुक धर्मानुयायियों के उपासना स्थलों के पास से फलां उपासना स्थलों को हटा दिया जाए।

सद्भाव पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली, एक नया मुद्दा खड़ा करने की इस कोशिश पर हर तरफ सन्नाटा बना रहता है। बुलडोजर के इस्तेमाल पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद भी किसी राज्य के वक्फ बोर्ड का नवनियुक्त अध्यक्ष अपनी प्राथमिकता घोषित करता है, 'वक्फ की जमीनों पर से अवैध कब्जा हटाने के लिए हम अपना बुलडोजर खरीदेंगे', तो उसके नंबर बढ़ जाना लाजमी है।

एक पीड़ित किसी मुख्यमंत्री से खराब सार्वजनिक निर्माण की शिकायत करता है। संबंधित ठेकेदार मुख्यमंत्री के जाने के फौरन बाद शिकायतकर्ता के घर पर बुलडोजर लेकर पहुंच जाता है। इस बेलगाम हौसले के पीछे राजनीतिक कारण होते हैं। अगर किसी समाज को मध्ययुगीन विश्वासों के शिकंजे में जकड़े रखने के दुराग्रह का विरोध न हो, तो खतरनाक लक्षणों की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए।

24 साल की विवाहिता पर उसकी ससुराल वाले अपवित्र हो जाने का शक करते हैं। समाज के लोग महिला के शुद्धिकरण के लिए उसके मायके वालों पर दस लाख का जुर्माना ठोक देते हैं। इसी तरह की यातना से गुजरने के बाद इस परिवार की एक लड़की ने एक साल पहले आत्महत्या कर ली थी। परंपरा के खिलाफ प्रेम करने या प्रेमविवाह कर लेने पर दंपति को बुरी तरह पीटने या जिंदा जला देने अथवा समस्त समुदाय को ही दंडित कर देने की वीभत्स घटनाएं समान नागरिकता के भाव के लकवाग्रस्त हो जाने का आभास नहीं करातीं ?

सरेआम घसीटते हुए, खेतों में ले जाकर लड़की की इज्जत लूट ली जाती है। ऐसे मामलों में कानून अंधा नहीं रह पाता। पीड़िता और अपराधियों के जाति-धर्म व आर्थिक वर्ग के आधार पर चलने को कानून ऑटोमैटिक तरीके से विवश हो जाता है। मेडिकल परीक्षण और पोस्टमार्टम से पहले ही यकीन कराया जाने लगता है कि दुष्कर्म हुआ या नहीं।

अदालत में साबित बलात्कारियों के साथ नरम-नरम व्यवहार या बार-बार पैरोल पर छोड़ देना अपराधी की हैसियत से तय होता है। कोई जरूरी नहीं, सजा में माफी का पैमाना कानून के दायरे में हो। विधि का सार्वभौमिक शासन कमजोर होता रहे और नागरिकों के बीच नफरत की दीवारें तोड़ने के लिए हाथ न उठें, तो अनिवार्य दुष्परिणामों की कल्पना कर लेनी चाहिए।

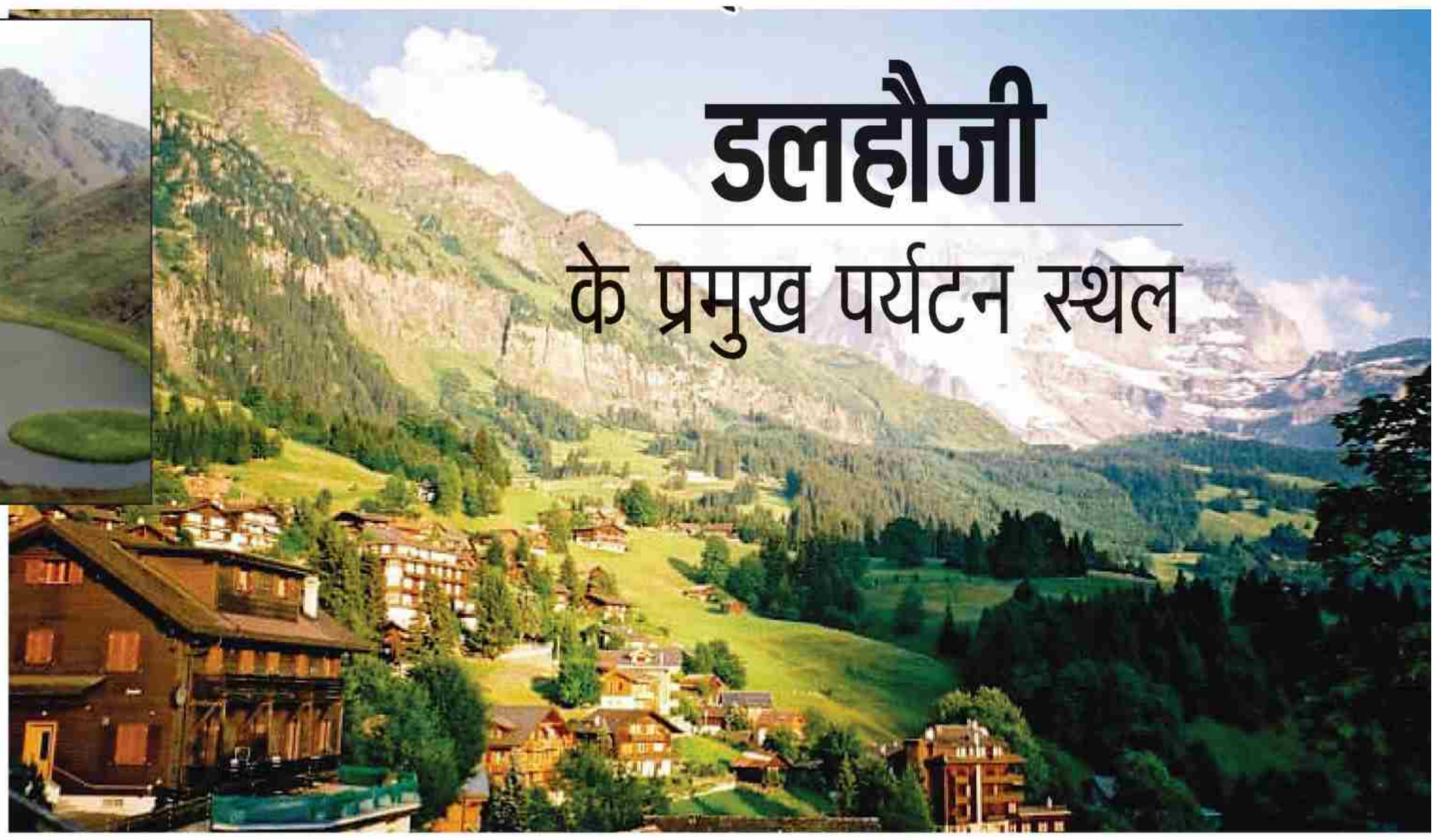

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित है। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

कनाडा में कोविड -19 वैक्सीन की बाध्यता को खत्म कर सकता

ओटावा । कोरोना दुनिया भर में धीरे धीरे कम हो रहे प्रभाव के बीच कई देशों ने अंतरराष्ट्रीय नागरिकों के लिए कोविड नियमों में छूट देना शुरु कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार अब पश्चिमी देश कनाडा भी कोविड के अपने सख्त नियमों को सामान्य करने जा रहा है। देश की संघीय सरकार महीने के अंत में कनाडा में प्रवेश करने वाले लोगों के लिए अपनी कोविड -19 वैक्सीन की बाध्यता को खत्म कर सकती है। सूत्र ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो 30 सितंबर को टीकाकरण की आवश्यकता को समाप्त कर सकते हैं।

कम होते मामलों के बीच कनाडा रैंडम कोरोना परीक्षणों को भी बंद कर और अराइवकैन एप का उपयोग करने की बाध्यता को भी वैकल्पिक बना देगा, जहां यात्रियों को अपने टीकाकरण का प्रमाण अपलोड करना फिलहाल आवश्यक है। ऐसा कनाडा अपने देश में विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए भी कर रहा है, जो कड़े नियमों की वजह से दूसरी जगह जाना अधिक पसंद कर रहे थे।

ब्रिटिश शाही परिवार ने एलिजाबेथ द्वितीय की अनदेखी तस्वीर जारी की

लंदन। ब्रिटिश शाही परिवार ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के बाद उनकी एक अनदेखी तस्वीर जारी की है। ब्रिटेन में सर्वाधिक समय तक राजगद्दी पर आसीन रहीं महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को सोमवार को अंतिम विदाई देकर उनके ताबूत को विंडसर कैसल स्थित सेंट जॉर्ज चैपल के शाही 'वॉल्ट' (शव कक्ष) में नीचे रख दिया गया। महारानी को उनके पति प्रिंस फिलिप के बराबर में दफनाया गया। महारानी के अंतिम संस्कार के बाद शाही परिवार द्वारा सोमवार को जारी तस्वीर 1971 में बाल्मोरल में ली गई थी।

तस्वीर के शीर्षक में लिखा गया, मे फ्लाइट्स ऑफ एंजेल्स सिंग दी टू दाइ रेस्ट (ईश्वर करे कि परियां आपको लोरियां गाकर सुलाए)।'' यह पंक्ति शेक्सपीयर के नाटक 'हैमलेट' से ली गई है। वहीं महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अपनी मां के निधन के बाद अपने संबोधन में इस पंक्ति का जिक्र किया था। तस्वीर के साथ शीर्षक में दूसरी पंक्ति में लिखा है, महामहिम महारानी की प्यारी याद में। 1926-2022।'' इस तस्वीर में महारानी एक छड़ी हाथ में लिए किसी दलदली जगह से गुजरती दिख रही हैं। उन्होंने सिर पर स्कार्फ पहना हुआ है और चश्मा लगाया हुआ है। तस्वीर में वह अपने हाथ में एक कोट लटकाए दिख रही हैं।

यह युद्ध का समय नहीं, सभी देश मौजूदा चुनौतियों का मिलकर मुकाबला करें : मैक्रों

न्यूयार्क । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है और हमें इसके वैकल्पिक उपायों पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बात बहुत प्रासंगिक है। ज्ञात हो कि पीएम मोदी ने हाल ही में उज्बेकिस्तान के समरकंद में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन के साथ बैठक में यह बात कही थी। पीएम मोदी कई बार राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर युद्ध के संबंध में बातचीत कर चुके हैं। इस दौरान वह लोकतंत्र, कूटनीति और बातचीत के महत्व के रेखांकित कर चुके हैं। मैक्रों ने कहा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। यह पश्चिम से बदला लेने और उसे पूर्व के खिलाफ खड़ा करने का समय नहीं है। यह वक्त है कि हम सभी संप्रभु राष्ट्र हमारे समक्ष मौजूद चुनौतियों का एकजुट होकर मुकाबला करें। इसीलिए उत्तर और दक्षिण के बीच खाद्यान्न, शिक्षा और जैव विविधता के क्षेत्र में नए समझौतों की सख्त जरूरत है। यह सोच को सीमित करने का नहीं, बल्कि साझा हितों के लिए मजबूत गठबंधन बनाने का है।

7 माह बाद रुसी कब्जे से छूटा शहर इजीयुम, सब कुछ तबाह बर्बाद

कीव । पूर्वी यूक्रेन का शहर इजीयुम उन शहरों में शामिल था जिस पर रूस ने 24 ?फरवरी को जंग के कुछ दिनों बाद ही कब्जा कर लिया था। मार्च अंत तक इजीयुम को अलग-थलग कर दिया गया था, और यहां न कोई मोबाइल फोन था और न ही बिजली की व्यवस्था रह गई थी। शहर से ज्यादातर लोगों ने पलायन कर लिया था। रूस ने इस अपना कमान केंद्र बना लिया था। करीब छह महीने बाद इस शहर को फिर से यूक्रेन ने अपने नियंत्रण में ले लिया। यूक्रेन ने 10 सितंबर को खारकीव क्षेत्र पर जवाबी हमले के तहत शहर पर कब्जा किया। स्थानीय निवासियों के पास कुछ नहीं बचा है। वे जलाने के लिए एक स्कूल से लकड़ियां इकट्ठी कर रहे हैं। स्थानीय निवासी ने बताया कि हम लकड़ी जलाकर चाय के लिए पानी गर्म करते हैं और दलिया आदि बनाते हैं। मेरा हाथ देखिए। मैं 75 साल का हूं और इन महिला की उम्र मुझसे भी ज्यादा है। हम सर्दियों से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, मेरे पोते इस स्कूल में जाते थे और मैं इसे लूट रहा हूं। जब सात महीने पहले जंग शुरू हुई थी, तब इजीयुम की आबादी तकरीबन 40 हजार थी लेकिन कुछ रूस ही भाग गए थे। शेष लोग तहखानों में या मोटी दीवारों के पीछे छुप गए थे। रूसी सैनिक उन्हें कुछ खाने के लिए दे दिया करते थे जो उन्हें मुश्किल से ही पूरा पड़ता था। शहर के लोग बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट गए थे। उन्हें यह भी नहीं पता था कि उनका क्षेत्र अब यूक्रेन में है भी या नहीं।

दुनिया के अमीर देशों ने गरीब मुल्कों को संकट में डाला : मार्कोस

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों ने सबसे गरीब लोगों को खतरे में डाल दिया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने असमानता, परमाणु हथियारों और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई करने पर भी जोर दिया। मार्कोस ने यूएनजीए के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन पर बात करने का समय काफी पहले बीत चुका है। उन्होंने विकसित देशों से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने और विकासशील देशों की मदद करने का आह्वान किया। मार्कोस ने कहा जलवायु परिवर्तन का असर असमान है और ऐतिहासिक नाइंसाफी को दर्शाता है। जो इसके लिए सबसे कम कसूरवार हैं, वही सबसे ज्यादा मुश्किलें झेल रहे हैं। इस नाइंसाफी को खत्म किया जाना चाहिए और जिन्हें ज्यादा कदम उठाने की जरूरत है, उन्हें अब ऐसा शुरू कर देना चाहिए।

मार्कोस ने अपने संबोधन में कई बार अमीर और गरीब देशों के बीच के अंतर को रेखांकित किया, जिसमें इंटरनेट सेवा तक पहुंच से लेकर कोविड-19 महामारी से निपटने के उपाय तक शामिल हैं। मार्कोस ने कहा अमीर मुल्कों को गरीब और वंचित देशों की कीमत पर तत्काल टीके मिलें। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र परिसर में असमानता की तरफ इशारा करते हुए कहा दुनियाभर में हमारे चार्टर का उल्लंघन किया जा रहा है। मार्कोस ने परमाणु हथियारों की संख्या में कमी लाने और साइबर संसार व कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने को नियंत्रित करने के लिए नियम-कायदे बनाने पर भी जोर दिया।

ईरान में हिंसक हुआ हिजाब के विरोध में महिलाओं का विरोध प्रदर्शन, अब तक 5 लोगों की मौत

तेहरान । ईरान में हिजाब के खिलाफ शुरू हुआ महिलाओं का विरोध प्रदर्शन अब हिंसक हो गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़पों में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। इस घटना के विरोध में 3 दिन से प्रदर्शन हो रहे हैं और राजधानी तेहरान तक में प्रदर्शनकारियों की ईरान के सुरक्षा बलों के साथ झड़प हुई है। यह प्रदर्शन ईरान की धार्मिक पुलिस के हाथों एक महिला की मौत के बाद शुरू हुआ। बताया जाता है कि महिला ने सार्वजनिक स्थान पर सही तरीके से हिजाब नहीं पहना था। इस कारण पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और वैन के पास जमकर पिटाई की। बुरी तरह से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद ईरान में महिलाओं ने हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कई महिलाओं ने अपने बाल काटकर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने पूरे प्रकरण की जांच की मांग की है। अमेरिका ने इस्लामिक गणराज्य से महिलाओं पर व्यवस्थागत अत्याचार समाप्त करने की मांग की है। इटली ने भी मौत की निंदा की है। वहीं, ईरान ने आलोचनाओं को खारिज करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित करार दिया। संयुक्त राष्ट्र निकाय ने कहा कि ईरान की सदाचार पुलिस ने हाल के महीनों में गश्त में बढ़ोतरी की है जिसमें महिलाओं को हिजाब नहीं पहनने पर निशाना बनाया जा रहा है। निकाय ने कहा कि वह उस वीडियो को सत्यापित करेगा जिसमें ठीक से हिजाब नहीं पहनने पर महिला को थप्पड़ मारते, डंडे से पीटते और पुलिस वैन में जबरन धकेलने की घटना दिख रही है। गौरतलब है कि गत मंगलवार को इसी तरह की गश्त के दौरान सदाचार पुलिस, 22 वर्षीय महसा अमीनी को पुलिस थाने ले गई थी, जहां वह बेहोश हो गई और तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई। ईरान की पुलिस ने अमीनी से दुर्व्यवहार करने से इनकार करते हुए कहा कि उसकी मौत हृदय गति रुकने से हुई है। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यूयार्क में ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रोस और जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशीडा हाथ मिलाते हुए।

तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने फिर राग कश्मीर राग, संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में

जिनेवा । तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में अपने संबोधन के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाया। एर्दोगन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान अपनी आजादी के 75 साल बाद भी कश्मीर में शांति स्थापित नहीं कर सके हैं। तुर्की के राष्ट्रपति ने क्षेत्र में 'स्थायी शांति की आशा व्यक्त की। एर्दोगन ने यूएनजीए में कहा कि भारत और पाकिस्तान, 75 साल पहले अपनी संप्रभुता और स्वतंत्रता स्थापित करने के बाद भी अभी भी एक-दूसरे के बीच शांति और एकजुटता स्थापित नहीं की है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम आशा और प्रार्थना करते हैं कि एक निष्पक्ष और स्थायी शांति और समृद्धि स्थापित हो। तुर्की के राष्ट्रपति ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद एक हफ्ते से भी कम समय में कश्मीर मुद्दा उठाया। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी और एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

अमेरिका ने चीन के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमान को बताया कूड़ा-करकट, 2027 तक की ताइवान प्लानिंग पर कही ये बात

कीव (एजेंसी)।

ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका के बीच तनातनी लगातार जारी है। दोनों देशों के बीच लगातार बयानबाजी का दौर भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बीते दिनों ये कहकर ड्रैगन को और परेशान कर दिया कि यदि चीन स्वशासित ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी सेना उसकी रक्षा करेगी। जिसके बाद बौखलाए चीन ने पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिका से स्पष्ट रूप से कहा कि वह देश को विभाजित करने के उद्देश्य से की गयी किसी भी गतिविधि को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी संप्रभुता की रक्षा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। अब एक बार फिर अमेरिका की तरफ से चीन को लेकर निशाना साधा गया है।

प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी वायु सेना के प्रमुख चीन की चुनौती को कमतर नहीं आंकते। लेकिन जब ताइवान पर संभावित आक्रमण की बात आती है, तो उनका मानना है कि बीजिंग और उसके शीर्ष सैन्य योजनाकारों को द्वीप राष्ट्र पर कब्जा करने की उनकी क्षमता के बारे पहले सोचना चाहिए। पीएसीएएफ कमांडर जनरल केनेथ विल्सबैक ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चीन का जे-20, जो उत्पादन में सबसे उन्नत लड़ाकू है वो कूड़ा-कड़कट के समान है। अमेरिकी पांचवें -जेन फाइटर्स चीनी निर्मित जेट विमानों के मुकाबले अमेरिकी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बेहद उन्नत हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या चीन 2027 तक ताइवान पर आक्रमण करने में सक्षम होगा। वजह ये है कि इस तारीख को कई अधिकारियों ने वर्षों से निर्धारित किया। विल्सबैक ने स्वीकार किया कि यह बीजिंग के लिए एक लक्ष्य हो सकता है। लेकिन यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के परिणाम को देखकर उसे सोचना चाहिए कि ये समयरेखा अभी भी यथार्थवादी है।

चीन ने ताइवान के प्रति रुख नरम किया, शांतिपूर्ण विलय की बात की

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने ताइवान के प्रति अपने रुख को नरम करते हुए बुधवार को कहा कि स्वशासित द्वीप का चीन के अधीन आना निश्चित है लेकिन वह इसे शांतिपूर्ण तरीके से करने का प्रयास करेगा। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल में बयान दिया था कि अगर चीन, ताइवान पर हमला करता है तो उनका देश स्वशासित द्वीप की रक्षा करेगा। एक दिन पहले ही अमेरिकी और कनाडा युद्धपोत ताइवान जलडमरु मध्य से गुजरे थे, जिसके बाद चीन की ओर से यह बयान आया है।

चीन द्वारा ताइवान के खिलाफ ताकत के इस्तेमाल करने को लेकर बढ़ रही चिंता के बारे में पूछे जाने पर ताइवान मामले के सरकारी प्रवक्ता मा शिआओगुआंग ने कहा, ''मैं दोहराना चाहता हूं... हम पूरी गंभीरता और ईमानदारी से शांतिपूर्ण एकीकरण की कोशिश करने के इच्छुक हैं।'' गौरतलब है कि वर्ष 1949 के गृहयुद्ध में चीन और ताइवान अलग हो गए थे एवं मुख्य भूमि पर कम्युनिस्ट पार्टी का कब्जा हो गया था जबकि ताइवान पर प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादियों ने अपनी सरकार बनाई। ताइवान मुद्दे पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान मा ने अपने जवाब में ताकत शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जैसा कि पूर्व में वह कहते थे।

उन्होंने कहा कि ताइवान या उसके अंतरराष्ट्रीय समर्थकों द्वारा किसी उकसावे की कार्रवाई करने पर चीन '' ठोस कदम'' उठाएगा। मा ने कहा कि चीन ताइवान की मदद करने के लिए और नीतियों को लागू करेगा, चीन के साथ एकीकरण के लाभ को रेखांकित करेगा और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा, ''मातृभूमि को एकीकृत होनी चाहिए और (यह)निश्चित तौर पर एकीकृत होगी। यह ऐतिहासिक परिपाटी है, जिसे कोई रोक नहीं सकता।

भारत और अमेरिका को एक दूसरे से नजदीक लाते हैं समान लक्ष्य: जितेंद्र सिंह

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका दौरे पर गए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका के समान लक्ष्य और हित हैं, जो दोनों देशों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। उन्होंने अमेरिकी वैज्ञानिक समुदाय व उद्यमियों से स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा व अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपने भारतीय समकक्षों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। भारत के अमेरिका में राजदूत तरनजीत सिंह संधू द्वारा इंडिया हाउस में उनके सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे एक समान लक्ष्य हैं। इसलिए हम एक जैसी स्थिति में हैं, यह हमारी निकटता का मजबूत आधार बन सकता है। हम साथ मिलकर काम करेंगे तो चमत्कारिक नतीजे आना तय है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में पहले की तुलना में कहीं बेहतर माहौल प्रदान किया है।

इस समारोह में कई सांसदों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों थिंक टैंक समुदाय' के सदस्यों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में अब एक ऐसी सरकार है, जिसके प्रमुख के पास लीक से हटकर सोचने और वर्जनाओं को तोड़ने की सामर्थ्य है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष, भू-स्थानिक आदि दोनों देशों के साथ-साथ काम करने के लिए कुछ उचित क्षेत्र हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि आप इस बात की सराहना करेंगे कि कई सालों के बाद अंतरिक्ष विभाग को संयुक्त पहल, संयुक्त उद्यम और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। हम अंतरराष्ट्रीय निवेश की भी उम्मीद कर रहे हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत संधू ने अपने संबोधन में शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अगले सेना प्रमुख की नियुक्ति पर भगोड़े भाई से सलाह लेने के लिए शहबाज पर देशद्रोह का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की विधानसभा ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ बहुमत से एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें नए सेना प्रमुख की नियुक्ति के संबंध में अपने भगोड़े बड़े भाई नवाज शरीफ से मशविरा करने के लिए देशद्रोह के आरोप के तहत मुकदमा चलाने की मांग की गई है। पंजाब के संसदीय कार्य मंत्री बशारत राजा ने संविधान के अनुच्छेद 6 (देशद्रोह) के तहत प्रधानमंत्री शरीफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सदन में प्रस्ताव पेश किया। पंजाब में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी और उसकी सहयोगी पीएमएलक्यू का शासन है।

पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने कुछ दिन पहले लंदन में एक भगोड़े नवाज शरीफ से नए सेना प्रमुख की नियुक्ति के संबंध में मशविरा किया जो तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। प्रस्ताव के अनुसार यह मशविरा संवेदनशील जानकारी असंबंधित लोगों से साझा नहीं करने की प्रधानमंत्री की शपथ का उल्लंघन है बल्कि सेना जैसी संस्था का अपमान भी है। प्रधानमंत्री शहबाज ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लंदन में थे। प्रधानमंत्री ने लंदन की अपनी इस यात्रा के दौरान नवाज शरीफ से भी मुलाकात की और उनके साथ अगले सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर चर्चा की।

पुतिन ने 3 लाख सैनिकों को जंग के लिए तैयार होने के दिए ऑर्डर, कहा- हल्के में ना लें, खतरा मंडराया तो एटमी हमला भी कर सकते हैं

कीव (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ अपने युद्ध में बड़े झटके के बाद रूस में आंशिक सैन्य लामबंदी की घोषणा कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश रूस को तबाह व कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। इन देशों ने हद पार कर दी है। इसके साथ ही पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी भी दी। पुतिन ने पश्चिम को ये भी चेतावनी दी कि यह कोई झांसा नहीं है कि रूस अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए सभी साधनों का उपयोग करेगा। रूस के रक्षा मंत्री ने कहा कि देश में 3,00,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात किया जाएगा।

उन्होंने परमाणु खतरे की भी निंदा करते हुए कहा कि रूस के पास ÷पश्चिमी खतरों÷ का जवाब देने के लिए ÷बहुत सारे हथियार÷ हैं। अगर हमारे देश की क्षेत्रीय अखंडता को खतरा है, तो हम अपने लोगों की रक्षा के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं। पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में अलगाववादियों द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में रूस के अभिन्न अंग बनने पर जनमत संग्रह कराने की योजना की घोषणा के एक दिन बाद रूसी प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन आया है।

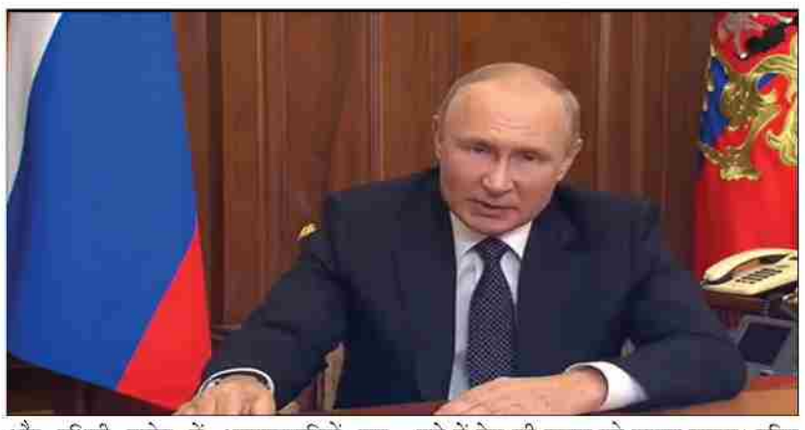

पुतिन ने अपने संबोधन के दौरान यूक्रेन में सेना के मौजूदा हालात और वहां के स्थिति के बारे में देश की जनता को रूबरू कराया। पुतिन ने पश्चिमी देशों पर ''परमाणु ब्लैकमेलिंग'' करने का आरोप लगाया, साथ ही ''रूस के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना संबंधी नाटो देशों के शीर्ष प्रतिनिधियों के बयानों '' का भी जिक्र किया।

59 साल में पहली बार पृथ्वी के बेहद करीब होगा बृहस्पति ग्रह, नासा ने दी जानकारी

25 से 26 सिंतबर के बीच होगी यह अदभुत खगोलिया घटना

वॉशिंगटन(एजेंसी)।

हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति 26 सितंबर को पृथ्वी के काफी नजदीक होगा है। 59 साल में यह पहली घटना होगी, जब बृहस्पति ग्रह पृथ्वी के इतने करीब होगा। अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि यह विशाल ग्रह सूर्य के ठीक विपरीत दिशा में दिखेगा। बृहस्पति के दिशा बदलने की घटना को वैज्ञानिक भाषा में अपोजिशन कहा जाता है। बृहस्पति ग्रह के लिए अपोजिशन आम बात है, यह हर 13 महीने में एक बार होता है। इसके बाद हर साल पृथ्वी और बृहस्पति काफी नजदीक आते हैं, लेकिन इस बार इन दोनों ग्रहों के बीच में दूरी काफी कम होगी। इसके बाद पृथ्वी से बृहस्पति ग्रह सामान्य की अपेक्षा काफी बड़े आकार का दिखाई देगा।

25 और 26 सितंबर को सूर्य और बृहस्पति के बीच पृथ्वी को देखना काफी दुर्लभ घटना होगी। इस पेरिगी के रूप में जाना जाता है। 25 सितंबर को पृथ्वी और बृहस्पति ग्रह की दूरी सबसे कम होगी, जबकि 26 को सूर्य के उल्टी दिशा में दिखाई देगा। पृथ्वी के काफी करीब आने से गैस से बना यह विशाल ग्रह असामान्य रूप से काफी चमकीला और बड़ा दिखाई देगा। इसके बाद यह घटना स्काईवॉचर्स के लिए एक बड़ी घटना साबित हो सकती है। मौसम के साफ रहने और अंधकार ज्यादा होने पर लोग दूरबीन की मदद से बृहस्पति को काफी नजदीक से देख पाएंगे।

नासा के मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर के खगोल वैज्ञानिक ने कहा कि 26 सितंबर से पहले और बाद के कुछ दिनों में भी बृहस्पति काफी चमकीला और बड़ा दिखाई देगा। इसतरह 25 और 26 सितंबर को अच्छे मौसम में इस ग्रह को काफी नजदीक से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को इन तारीखों का लाभ उठाकर साफ मौसम में नजारे का आनंद लेना चाहिए। यह रात में सबसे चमकदार सितारों में से एक होगा।

सौर मंडल के ग्रह सूर्य की परिक्रमा गोलाकार न करके अंडाकार पथ पर करते हैं। इसलिए पृथ्वी और बृहस्पति अलग-अलग दूरी पर पथ को पार करते हैं। पृथ्वी को सूर्य की परिक्रमा करने में लगभग 365 दिन लगते हैं, जबकि बृहस्पति को सूर्य की परिक्रमा करने में 4333 दिन लगते हैं। इसका मतलब हुआ कि बृहस्पति 12 साल में एक बार सूर्य की परिक्रमा को पूर्ण करता है। सबसे अधिक नजदीक होने पर पृथ्वी और बृहस्पति में दूरी 590 मिलियन किलोमीटर होगी। वहीं, सबसे अधिक दूर जाने पर पृथ्वी और बृहस्पति में दूरी 960 मिलियन किमी होती है।

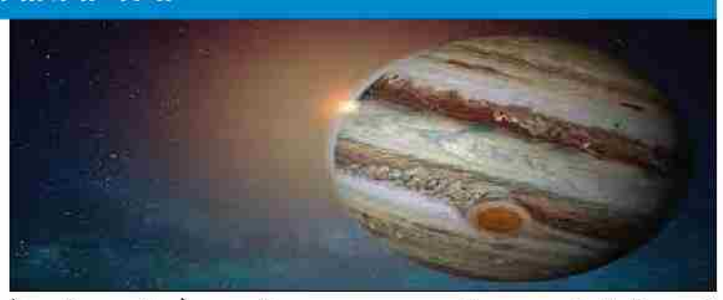

अब पांच अक्टूबर को विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलिया जा सकती है भारतीय टीम

द्रविड़ ने टीम को एक सप्ताह पहले भेजने का किया है अनुरोध

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के लिए अब नौ की जगह पर पांच अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। इसका कारण यह है कि कोच राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम को एक सप्ताह पहले भेजा जाये। इसके साथ ही द्रविड़ ने बोर्ड से और अभ्यास मैचों की व्यवस्था करने के लिए भी कहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम अब ऑस्ट्रेलिया में दो या तीन और अभ्यास मैच खेलेगी। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, हम कुछ टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो आईसीसी द्वारा रखे गए अभ्यास मैचों के अलावा हमारे साथ मैच खेलेंगी। अगर बीसीसीआई द्रविड़ की अपील को मान लेती है तो भारतीय टीम 4 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद रवाना होगी। बीसीसीआई न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 18 अक्टूबर के दो मैचों के अलावा वहां कम से कम तीन अभ्यास मैच खेल सकती है। भारत को अभी ऑस्ट्रेलिया में दो अभ्यास मैच खेलने हैं। भारत टी20 विश्व कप 2022 के सुपर 12 चरण की शुरुआत से पहले ब्रिस्बेन के गाबा में 17 अक्टूबर और 19 अक्टूबर को मेजबान टीम के अलावा न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलना है।

स्टार बनाने की जगह सभी खिलाड़ियों को महत्व दें: गंभीर

इटावा (एजेंसी)।

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि खेल सबसे बड़ा है पर आजकल देखने में आ रहा है कि खेल में स्टार संस्कृति हावी हो गयी है। इसके कारण ही आजकल खेल में कई खिलाड़ियों को स्टार बनाकर उनका ही महिमामंडन हो रहा है जिससे बचा जाना चाहिये। गंभीर के अनुसार प्रशंसकों को किसी विशेष खिलाड़ी को नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को अहमियत देनी चाहिये। गंभीर ने कहा कि हमें पूर्व कप्तान कपिल देव, विराट कोहली , महेन्द्र सिंह धोनी जैसे स्टार खिलाड़ियों की बात छोड़कर सिर्फ टीम पर ही ध्यान दें। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार हमें किसी एक खिलाड़ी को महत्व देने की जगह पूरी टीम को बड़ा बनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एशिया कप में अफगानिस्तान के मैच को लेकर कहा कि कोहली ने अच्छी पारी खेलते हुए शतक लगाया था पर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 5 विकेट लिए पर किसी ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया।

गंभीर का मानना है कि हमें किसी एक विशेष खिलाड़ी को को ही बड़ा करार देने से बचना होगा। उन्होंने कहा, नायक बनाने की प्रथा साल 1983 में एकदिवसीय विश्व कप में जीत के बाद से हुई थी। उसके बाद ततकालीन कप्तान रहे कपिल देव की बात होती थी। यह सिलसिला साल 2007 और 2011 विश्वकप जीतने के बाद कपिल की जगह धोनी नायक बन गये। इसके बाद कप्तान बने विराट को यह जगह मिल गयी। प्रशंसकों को समझना चाहिये कि क्रिकेट एक टीम गेम है और यह एक या दो खिलाड़ियों से नहीं चलता। टीम में शामिल सभी लोगों का योगदान होने के साथ ही भूमिका होती है। इसलिए एक की जगह पर सबको महत्व देना होगा।

अच्छी गेंदबाजी नहीं की, मैदान पर मौकों का फायदा नहीं उठाया: रोहित शर्मा

मोहाली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने मैदान में मिले मौकों का फायदा नहीं उठाया और गेंदबाजी भी खराब रही जिससे उसे तीन मैचों की श्रृंखला के बड़े स्कोर वाले पहले ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया से चार विकेट की हार का मुंह देखना पड़ा। रोहित ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हमने उतनी अच्छी गेंदबाजी की। 200 रन का स्कोर बचाव के लिये काफी अच्छा है लेकिन हमने मैदान में मिले (कैच लपकने के) मौकों का फायदा नहीं उठाया।''

भारत ने आल राउंडर हार्दिक पंड्या (नाबाद 71 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (55 रन) के अर्धशतकों के अलावा सूर्यकुमार यादव (46 रन) की बदौलत छह विकेट पर 208 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। रोहित ने कहा, ''मुझे लगता है हमने अच्छी बल्लेबाजी की। हमारे लिये यह समझने के लिये अच्छा मैच रहा कि हम कहां गलत रहे और अगले मैच में हम क्या बेहतर कर सकते हैं।'' आस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन (61 रन) के अर्धशतक के बाद मैथ्यू वेड की 21 गेंद में 45 रन की नाबाद पारी से श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने कहा, ''अच्छा मुकाबला रहा। निश्चित रूप से अंत में ओस से हमें मदद मिली। हमारे लिये कुछ अच्छी भागीदारियां रहीं। खिलाड़ियों ने अच्छी आक्रामकता दिखायी और मैच की लय बदलने की कोशिश की जो काफी अच्छा रहा।'' कैमरन ग्रीन ने 30 गेंद में आठ चौके और चार छक्के से 61 रन बनाये। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सूर्यकुमार यादव ने बाबर आजम को पछाडा, टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में इस स्थान पर पहुंचे

कैंटबरी (एजेंसी)।

दुबई = भारत के सीमित ओवरों के करिश्माई बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को ताजा आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पछाड़कर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज बनने की दिशा में अपना हालिया प्रयास जारी रखा है।

सूर्यकुमार ने मंगलवार को अपनी तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मैच में मोहाली में ऑस्ट्रेलिया से हार के दौरान भारत के लिए 46 रन के शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया और इससे उन्हें टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में 780 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। भारतीय केवल पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (825 अंक) और दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम (792) से पीछे हैं। नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज रिजवान ने मंगलवार को कराची में पाकिस्तान की इंग्लैंड से हार में अर्धशतक लगाया।

बाबर संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप

के दौरान अपने निचले स्तर और कराची में श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 31 रनों की पारी के बाद चौथे स्थान पर आ गए, जबकि इंग्लैंड के दाविद मालन (725) और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओरोन फिंच (715) शीर्ष छह से बाहर हो गए।

भारत के विस्फोटक और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अपने शानदार नाबाद 71 रन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 22 स्थान की छलांग लगाई और 65वें स्थान पर पहुंच गए जबकि टीम के साथी अक्षर पटेल ने उसी के दौरान तीन विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की सूची में 24 स्थान की बढ़त के साथ 33 वें स्थान पर पहुंच गए।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड नंबर 1 गेंदबाज के रूप में अपनी जगह बनाए हुए हैं और दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उस उच्च स्कोर वाले प्रदर्शन में रोहित शर्मा और केएल राहुल के महत्वपूर्ण विकेटों के साथ अपना कौशल दिखाया। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट लेने के बाद हेजलवुड और दूसरे स्थान पर तबरेज शम्सी के बाद तीसरे स्थान पर हैं जबकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स 20 ओवर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तीन साल के अंतराल के बाद टी20 आई बल्लेबाज रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रउफ इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद टी20 गेंदबाजों की ताजा सूची में चार पायदान के फायदे से 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि टीम के साथी मोहम्मद नवाज तीन पायदान की छलांग से 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज: टेलर की टीम से भिड़ेंगे लारा के धुरंधर

देहरादून(एजेंसी)।

वेस्टइंडीज लीजेंड्स बुधवार को उत्तराखंड के देहरादून में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 के 13वें मैच में न्यूजीलैंड लीजेंड्स से भिड़ेगी। यह देहरादून में टूर्नामेंट का पहला मैच होगा। इंदौर में इंग्लैंड पर आठ विकेट की जीत के बाद वेस्टइंडीज लीजेंड्स आत्मविश्वास से भरी हुई है। क्रिसमार सैंटोकी और सुलेमान बेन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत विंडीज ने पहले इंग्लैंड के बल्लेबाजों को पांच विकेट पर 156 रन पर रोक दिया। बाद में ड्वेन स्मिथ और विलियम पकिर्न्स के अर्धशतकों ने ब्रायन लारा की टीम को तीन मैच में पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचाया। स्मिथ टूर्नामेंट के रनों की मशीन के तौर पर सबसे आगे हैं और दाएं हाथ के बल्लेबाज का लक्ष्य न्यूजीलैंड की गुणवत्तापूर्ण गेंदबाजी के खिलाफ अपने फॉर्म को जारी रखना होगा। रॉस टेलर के नेतृत्व वाले न्यूजीलैंड लीजेंड्स को शुरुआती मैच में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि भारत के खिलाफ इंदौर में पिछला मैच गीले आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया। टी20 मैचों में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज ने 19 बार एक-दूसरे का सामना किया है। इनमें से न्यूजीलैंड ने 11 जीते हैं जबकि विंडीज ने छह में जीत हासिल की है।

7 अक्टूबर से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग

मुम्बई। अगले माह 7 अक्टूबर 2022 से प्रो कबड्डी लीग का नौवां सत्र शरू हो रहा है। इस सत्र का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार टीमों में भी कई बदलाव दिखेंगे। पिछले सत्र में बेंगलुरु बुल्स की तरफ से खेलने वाले पवन सहरावत इस बार तमिल थलाइवाज़ की तरफ से खेलेंगे। टीम ने पवन सहरावत को रिकॉर्ड 2.26 करोड़ में खरीदा है। इस प्रकार सहरावत प्रो कब्बडी लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गये हैं। साथ ही वह सत्र 9 में 2 करोड़ से अधिक की कीमत पर बिकने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। सहरावत के अलावा दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे हैं विकास खंडोला हैं जिन्हें बेंगलुरु बुल्स ने 1.70 करोड़ रुपए में खरीदा है। उसके बाद गुमान सिंह को मुंबा ने 1.22 करोड़ रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। इसके बाद प्रदीप नरवाल का नाम आता है। नरवाल को यूपी योद्धा ने 90 लाख रुपये में खरीदा है। वहीं सचिन को पटना पाइरेट्स ने 81 लाख रुपए में खरीदा है। कब्बडी लीग आने से इस खेल के खिलाड़ियों को भी मोटी रकम मिलने लगी है।

राजू श्रीवास्तव के निधन पर दिग्गज क्रिकेटरों ने शोक जताया

नई दिल्ली। नामी स्टैंडअप कॉमेडियन और कलाकर राजू श्रीवास्तव के निधन पर खेल जगह भी दुखी है। कई पूर्व क्रिकेटर्स ने भी राजू के निधन पर शोक जताया है। गजोधर भैया के नाम से लोकप्रिय हुए राजू का बुधवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले 42 दिनों से जिंदगी की जंग लड़ रहे थे जो अंत में टूट गयी। उन्हें 10 अगस्त को एक जिम में व्यायाम के दौरान ही दिल का दौड़ा पड़ा था जिसके बाद से ही वह अस्पताल में भर्ती थे।

राजू के निधन पर दुखी पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि में श्री राजू श्रीवास्तव जी के निधन से दुखी हूँ ! उन्हें अपनी अनूठी शैली और शानदार कॉमेडी के के लिए याद किया जाएगा। ऊँ शांति।

वहीं इरफान पठान ने कहा कि राजू भैया सभी लोगों के चहेते थे। हम सभी उन्हें हमेशा याद करेंगे।

कृणाल पांड्या ने कहा कि कामेडी के जरिए हमारे चेहरे पर हंसी लाने के लिए शुक्रिया। राजू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि। उनके प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

सुरेश रैना ने कहा कि मैं उनके निधन से दुखी हूं। वो स्टैंड-अप कामेडी के बादशाह थे। आपने पूरे देश को हंसाया। उनके प्रियजनों के प्रति संवेदनाएं।

शिखर धवन ने कहा कि इस खबर से दुखी हूं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। आप हमेशा याद रखे जाएंगे। उनके प्रियजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। वीरेंद्र सहवाग ने कहा ओम शांति। राजू श्रीवास्तव ने लोगों को अपनी हास्य कला से हमेश हंसाया है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा कि राजू जी, आप कभी भुलाये नहीं जाएँगे जब भी हम हँसेंगे, आप याद आएँगे। ऊँ शांति।

एफआईएच नेशन्स कप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय टीम

नए रुख से शुरुआत की जरुरत: सुशीला

बैंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम अभी स्पेन के वेलेंसिया में 10 से 17 दिसंबर तक होने वाले पहले एफआईएच नेशन्स कप के लिए राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसी दौरान मिडफील्डर सुशीला चानू ने कहा है कि हमें अपनी समीक्षा करते हुए एक नए रुख से शुरुआत करने के साथ ही अपने कमजोर पक्षों पर काम करना होगा। भारतीय टीम इस साल जुलाई में हुए एफआईएच महिला विश्व कप में नौवें स्थान पर रही।

सुशीला ने कहा, ''हमारे पास यहां भारतीय खेल

प्राधिकरण (साइ) केंद्र में पिछले टूर्नामेंटों में अपने खेल की कमजोरियों का आंकलन करने का समय है।।'' उन्होंने कहा, ''हम अब एक नए रुख के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जहां पिछले दो टूर्नामेंटों के दौरान पिछड़ गए थे।''

गौरतलब है कि नेशन्स कप एफआईएच प्रो लीग 2023-24 का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है जिसमें भारत को पूल बी में कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है जबकि आयरलैंड, इटली, कोरिया और स्पेन को पूल ए में रखा गया है। सुशीला 2016 के रियो ओलंपिक में टीम की कप्तान भी थीं। इसके बाद भी इस खिलाड़ी का मानना है कि टीम में जगह पक्की मानना सही नहीं होगा क्योंकि कई युवा खिलाड़ी पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, जेमिमा की वापसी

मुबई (एजेंसी)।

बांग्लादेश में एक अक्टूबर से होने वाले महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने इस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर को सौंपी है जबकि स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में युवा बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिगेज को भी शामिल किया गया है। जेमिमा फिट नहीं होने के कारण इंग्लैंड दौरे से बाहर थीं। वहीं तानिया सपना भाटिया, सिमरन दिल बहादुर को स्टैंड बाय के तौर पर रखा गया है।

यह टुर्नामेंट 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला एक अक्टूबर को श्रीलंका से खेलेगी। इसके बाद उसे 3 अक्टूबर को मलेशिया और उसके यूएई से खेलना है। इसमें 7 अक्टूबर को भारत का अहम मुकाबला पाकिस्तान से होगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। वहीं सेमीफाइनल

मुकाबले 13 अक्टूबर को जबकि फाइनल मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे 15 दिवसीय टूर्नामेंट में सात टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट राउंड रॉबिन प्रारूप में होगा, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाई करेंगी। टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमें भारत, पाकिस्तान, मेजबान बांग्लादेश, श्रीलंका, यूएई, थाईलैंड और मलेशिया हैं। भारतीय टीम ने अब तक यह खिताब छह बार जीता है।

एशिया कप में भारतीय टीम का कार्यक्रम

1 अक्टूबर- भारत और श्रीलंका
3 अक्टूबर- भारत और मलेशिया
4 अक्टूबर- भारत और यूएई
7 अक्टूबर- भारत और पाकिस्तान
8 अक्टूबर- भारत और बांग्लादेश
10 अक्टूबर- भारत और थाईलैंड

टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिगेज, सबभिनेनी मेघना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, दयालन हेमलता, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, राधा यादव, के.पी. नवगिरे।

स्टैंड बाय खिलाड़ी-तानिया सपना भाटिया, सिमरन दिल बहादुर।

जनरेशन कप शतरंज - भारत के अर्जुन एरिगासी नें बनाई बढ़त , प्रज्ञानंधा भी दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। भारत के नंबर 3 शतरंज ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें अब विश्व के दिग्गज खिलाड़ियों के सामने अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया है । ताजा प्रदर्शन में अर्जुन नें चैम्पियन चैस टूर के जूलियस बेर जनरेशन कप शतरंज टूर्नामेंट में दो दिन के खेल के बाद विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को पीछे छोड़ते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है जबकि उनके ठीक पीछे भारत के ही ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानंधा चल रहे है । टूर्नामेंट में अर्जुन की शुरुआत विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन से हार के हुई थी पर उसके बाद उन्होने 5 जीत और 2 ड्रॉ के साथ कुल 17 अंक बनाते हुए एकल बढ़त बना ली है । इस टूर्नामेंट में जीत पर 3 अंक जबकि ड्रॉ पर 1 अंक मिलता है । अर्जुन नें अब तक भारत के अधिबन भास्करन ,वियतनाम के लिम क्युांग ,यूएसए के नीमन हंस और लेवोन अरोनियन और चेक गणराज्य के डेविड नवारा को पराजित किया जबकि भारत के प्रज्ञानंधा और कनाडा के इवान सारिक से मुकाबला ड्रॉ खेला है । प्रज्ञानंधा नें दूसरे दिन विश्व चैम्पियन कार्लसन को ड्रॉ पर रोका जबकि उक्रेन के वेसली इवांचुक ,इज़राइल के बोरिस गेलफंड , पोलैंड के यान डूडा और जर्मनी के विन्सेंट केमर को पराजित करते हुए 15 अंक बनाकर विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है ।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइलन के लिए प्रबल दावेदार हैं ऑस्ट्रेलिया ओर दक्षिण अफीका: वाटसन

दुबई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन के अनुसार अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी प्रबल दावेदार हैं क्योंकि ये दोनो ही अच्छा खेल रही हैं। वाटसन इस बात से निराश हैं डब्ल्यूटीसी देर से शुरू हुई , इस कारण उन्हें इसमें खेलने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा काश मैं डब्ल्यूटीसी में खेल पाता। मेरे खेलने के दिनों में भी टेस्ट क्रिकेट में इसे शुरु करने बातें हो रहीं थीं पर इसे लागू होने से पहले ही मैंने संन्यास ले लिया था। वाटसन ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली था कि 2005 में आस्ट्रेलिया में विश्व एकादश के खिलाफ 'सुपर टेस्ट' खेला जो बहुत खास था। यह मेरे द्वारा खेले गए शुरुआती टेस्ट मैचों में से एक था। उन्होंने कहा-इसका हिस्सा बनना विशेष था। उन्होंने साथ ही कहा कि डब्ल्यूटीसीलीग तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर जगह बनाने के लिए टीमों के बीच कड़ा मुकाबला है। भारतीय टीम पिछले सत्र की उपविजेता रही है। उसके अपने छह शेष डब्ल्यूटीसी मुकाबलों में से 4 ऑस्ट्रेलिया और दो मैच बांग्लादेश में खेलने हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को अपने बचे हुए सभी पांच मुकाबले अपनी धरती पर ही खेलने हैं। वाटसन का मानना है कि भारत और पाक के पास कई मैच विजेता हैं , इसलिए इन दोने के लिए फाइनल में जगह बनाना आसान रहेगा।

राष्ट्रमंडल खेलों की असफलता के बाद मनिका बत्रा की निगाहें राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को सफलता नहीं मिली लेकिन अब यह शीर्ष भारतीय इस महीने विश्व चैम्पियनशिप के लिये रवाना होने से पहले राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी के लिये प्रयासरत है। बत्रा 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के बड़े स्टार में से एक थीं, उन्होंने महिला एकल के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इसी साल एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीता था। लेकिन पिछले महीने बर्मिंघम से वह खाली हाथ लौटी थीं।

राष्ट्रीय खेलों के लिये यहां पहुंची बत्रा ने 'वर्चुअल' बातचीत में पत्रकारों से कहा, ''निश्चित रूप से जब मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मैच गंवाये तो मैं दुखी और निराश थी लेकिन मैंने हमेशा खुद से कहा है कि दुनिया यहीं खत्म नहीं होती।'' शीर्ष रैंकिंग भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''2018 मेरे लिये शानदार वर्ष था। इस बार मैं राष्ट्रमंडल खेलों से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ खेली। मैंने विश्व टूर पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया और अच्छे खिलाड़ियों को हराया।''

लेकिन वह अब अपनी गलतियों को सुधारने पर कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे कड़ी मेहनत करना जारी रखना होगा और वापसी करनी होगी। मैंने अपनी काफी गलतियों पर काम किया है और मेरे कोच मेरे 'स्पारिंग' जोड़ीदार रहे हैं। हमें अभी काफी बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं और अगले साल एशियाई खेल भी हैं।'' 30 सितंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये टेबल टेनिस खिलाड़ियों को चेंगडू रवाना होगा इसलिये राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह से पहले टेबल टेनिस खिलाड़ियों की यहां पीडीडीयू इंडोर स्टेडियम में स्पर्धायें शुरू हो जायेंगी।

आम जनता की जेब से पैसे निकालकर अपने 'पूंजीपति मित्रों' को दे रही मोदी सरकार : राहुल

कोच्चि, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम आदमी की जेब से पैसे निकालकर, इसे अपने 'पूंजीपति मित्रों' को दे रहे हैं, जिनमें से एक दुनिया में दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं।

वायनाड के सांसद गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी ने नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन जैसी अपनी विभिन्न आर्थिक नीतियों के जरिये छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को नुकसान पहुंचाकर बड़े व्यापारियों के लिए रास्ता साफ किया। राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' के पड़ाव के दौरान अलुवा में परवूर जंक्शन पर उन्हें सुनने के लिए उमड़ी भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा के 14वें दिन के दौरान कोच्चि और उसके आसपास के क्षेत्र में यात्रा को जबरदस्त समर्थन मिला। यात्रा ने दो सप्ताह में 310 किलोमीटर की दूरी तय की है और इसे उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। गांधी ने अपने भाषण में कहा कि नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी के अलावा, कोविड-19 लॉकडाउन ने छोटे व्यवसायों, मजदूरों, किसानों और समाज के अन्य वर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला लेकिन देश के कुछ अरबपतियों ने इससे लाभ उठाया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जहां दिग्गज कारोबारियों के बड़े कर्ज माफ कर दिए गए, वहीं दूसरी तरफ जब आम लोग कर्ज चुकाने में चूक करते हैं, तो उनके घर जब्त कर लिए जाते हैं या उन्हें अपराधी करार दिया जाता है। उन्होंने कहा, उनका (मोदी) काम बड़े व्यवसायों के लिए रास्ता साफ करना था। उन्होंने देश और इसके लोगों को विभाजित करके तथा नफरत, गुस्सा और हिंसा फैलाकर ऐसा किया ताकि वास्तव में जो हो रहा है, उस पर लोगों का ध्यान नहीं जाए।

यह स्पष्ट करते हुए कि यह सब कथित रूप से कैसे होता है, उन्होंने आरोप लगाया, मोदी देश को विभाजित करते हैं, गुस्सा पैदा करते हैं, जो आपका है उसे छीन लेते हैं और मीडिया व्यवसाय के स्वामित्व वाले अपने 3-4 पूंजीपति मित्रों को दे देते हैं और इसलिए वे टीवी पर उनका प्रचार करते हैं और वह (मोदी) यह सुनिश्चित करते हैं कि वे (पूंजीपति मित्र) ऐसे किसी भी व्यवसाय पर एकाधिकार कर सकते हैं, जिसमें पर वे एकाधिकार चाहते हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, नतीजा यह है कि आपका पैसा एक आदमी की जेब में चला गया है जो दुनिया का दूसरा सबसे अमीर आदमी बन गया है। यह आदमी कोई भी हवाई अड्डा या बंदरगाह खरीद सकता है, उसे व्यापार करने के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है, वह किसी भी क्षेत्र पर हावी हो सकता है।

टीवी में 'अभद्र भाषा जहर, एंकर की भूमिका महत्वपूर्ण' : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को टीवी एंकरों की भूमिका सहित विजुअल मीडिया पर अभद्र भाषा की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि यह हमारे समाज के ताने-बाने को जहरीला बनाता है और इस तरह के भाषा पर रोक लगाने के बजय मूकदर्शक बने रहने के लिए सरकार पर सवाल उठाता है।

जस्टिस के.एम. जोसेफ और हृषिकेश रॉय ने कहा कि एक टीवी बहस के दौरान एंकर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह देखना एंकर का कर्तव्य है कि प्रसारण के दौरान अभद्र भाषा का उपयोग नहीं हो।

जस्टिस जोसेफ ने कहा, 'हमारा देश किस दिशा में जा रहा है? अभद्र भाषा में सामाजिक ताने-बाने को जहरीला बनाता है.. इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती।'

पीठ ने अभद्र भाषा के मुद्दे पर केंद्र के वकील की भी खिंचाई की। उन्होंने कहा, ' ? लोग आएंगे और जाएंगे और देश को सहना होगा।'

पीठ ने सुझाव दिया कि एक प्रणाली होनी चाहिए और टीवी पर शो के संचालन के लिए कुछ कार्यप्रणाली होनी चाहिए और एंकर को लोगों को नीचा नहीं दिखाना चाहिए।

जस्टिस जोसेफ ने कहा, 'आप एक व्यक्ति को नीचे गिराते हैं। जरा देखें कि वह व्यक्ति क्या महसूस करता है.. आप रोजाना किसी का उपहास करते हैं, यह धीरे-धीरे किसी की हत्या करने जैसा है।'

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यधारा के मीडिया या सोशल मीडिया पर ये भाषण अनियमित हैं और एंकर की भूमिका महत्वपूर्ण है, यह देखना उनका कर्तव्य है कि अभद्र भाषा जारी न रहे।

पीठ ने केंद्र के वकील से कहा कि सरकार को अभद्र भाषा के मुद्दे को मामूली मामला नहीं मानना चाहिए और इसे रोकने के लिए तंत्र विकसित करने की पहल करनी चाहिए। पीठ ने उत्तराखंड सरकार के वकील से भी सवाल किया: 'आपने क्या कार्रवाई की, जब धर्म संसद (हो रहा था) .. क्या आपने इसे रोकने की कोशिश की? पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी धर्म हिंसा का प्रचार नहीं करता है।

वकील ने जवाब दिया, 'हमने निवारक कार्रवाई की..।'

केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने पीठ को सूचित किया कि अभद्र भाषा के खिलाफ की गई कार्रवाई पर 14 राज्य सरकारों ने जवाब दिया है।

पीठ ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है लेकिन हमें पता होना चाहिए कि कहां रेखा खींचनी है। इसमें आगे कहा गया है कि अभद्र भाषा की परत चढ़ी हुई है और यह किसी की हत्या करने जैसा है, और टीवी चैनल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इसमें आगे कहा गया है कि नफरत के माहौल में बंधुत्व की भावना नहीं हो सकती।

इसने कहा कि सरकार को प्रतिकूल रुख नहीं अपनाना चाहिए बल्कि अदालत की मदद करनी चाहिए और मामले की आगे की सुनवाई नवंबर में करनी चाहिए। इसने केंद्र से यह स्पष्ट करने के लिए भी कहा कि क्या वह अभद्र भाषा पर अंकुश लगाने के लिए विधि आयोग की सिफारिशों पर कार्रवाई करने का इरादा रखता है।

शीर्ष अदालत अभद्र भाषा के संबंध में याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

9 वर्षीय बच्ची के दुष्कर्मी को पोक्सो कोर्ट ने सुनाई 20 साल की सजा

जयपुर, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान के झालावाड़ जिले के थाना रायपुर में दर्ज 9 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी युवक कन्हैया लाल उर्फ कान्हा भील (25) निवासी गडारा थाना सुनेल को पोक्सो कोर्ट न्यायधीश द्वारा बुधवार को 20 साल के कठोर कारावास और 25000 रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया गया है। इस प्रकरण को जिला पुलिस द्वारा केस ऑफिसर स्कीम में चयनित किया गया था।

झालावाड़ एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि आरोपी युवक कन्हैया लाल उर्फ कान्हा के विरुद्ध 4 अगस्त 2020 को थाना रायपुर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोपी सोती हुई 9 वर्षीय बालिका को उठाकर एक खंडहर में ले गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। प्रकरण में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध कोर्ट में चालान पेश किया।

अपराध की गंभीरता को देखते हुए मामले का चयन केस ऑफिसर स्कीम मे कर कोर्ट, अभियोजन अधिकारी एवं गवाहों से समय-समय पर समन्वय स्थापित कर प्रकरण की सफलता हेतु प्रभावी प्रयास किए गए। बुधवार को ट्रायल के बाद पोक्सो कोर्ट द्वारा आरोपी के विरुद्ध अपराध दोष सिद्ध पाया जाने पर 20 वर्ष कठोर कारावास वह 25000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

रतन टाटा व 2 अन्य बनाए गए ट्रस्टी, पीएम मोदी की बैठक में हुआ फैसला

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। पीएम केयर्स फंड बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज में नए सदस्यों को शामिल किया गया है। मंगलवार को उद्योगपति रतन टाटा समेत कई लोगों को ट्रस्टी बनाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष यानी पीएम केयर्स फंड के नवगठित न्यासी मंडल के सदस्यों..उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के टी थॉमस, लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष करिया मुंडा और टाटा सन्स के मानद अध्यक्ष रतन टाटा के साथ एक बैठक की और दिल खोलकर इस कोष में योगदान देने के लिए देशवासियों की सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

बैठक में भारत के पूर्व नियंत्रक व महालेखा परीक्षक राजीव महर्षि, इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष सुधा मूर्ति और इंडी कॉर्प और पीरामल फाउंडेशन के पूर्व कार्यकारी अधिकारी आनंद शाह को पीएम केयर्स फंड के सलाहकार बोर्ड में मनोनीत करने का फैसला लिया गया।

पीएमओ के मुताबिक इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नवनियुक्त न्यासी न्यायमूर्ति थॉमस, मुंडा और टाटा शामिल हुए।

बैठक के दौरान कोविड-19 के चलते अपने परिजनों को खो चुके 4,345 बच्चों की मदद करने वाले पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन सहित पीएम केयर्स की मदद से शुरु की गई विभिन्न पहलों के बारे में एक प्रस्तुति दी गई।

न्यासियों की ओर से कोविड काल में इस कोष द्वारा निभाई गई भूमिका का सराहना की गई जबकि प्रधानमंत्री ने पीएम केयर्स में दिल खोलकर योगदान देने के लिए देशवासियों की प्रशंसा की।

पीएमओ के मुताबिक बैठक में यह चर्चा की गई कि ना सिर्फ राहत सहायता बल्कि शमन उपाय और क्षमता निर्माण के जरिए भी पीएम केयर्स के पास आपातकालीन और संकट की स्थितियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए एक बड़ा दृष्टिकोण है।

पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नए न्यासियों और सलाहकारों की भागीदारी से पीएम केयर्स फंड की कार्यप्रणाली को व्यापक दृष्टिकोण मिलेगा।

उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन में उनका व्यापक अनुभव, इस कोष को विभिन्न सार्वजनिक आवश्यकताओं के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने में और अधिक उत्साह प्रदान करेगा।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी के फैलने के बाद सरकार ने इससे उत्पन्न किसी भी प्रकार की आपातकालीन या संकटपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए पीएम केयर्स फंड की स्थापना की थी।

साल 2019-20 के दौरान इस फंड में 3976 करोड़ रुपया इकट्ठा हुआ था जो 2020-21 में बढ़कर 10,990 करोड़ रुपया हो गया। इस कोष से एक हजार करोड़ रुपये प्रवासी मजदूरों पर खर्च किए गए जबकि 1,392 करोड़ रुपये टीका बनाने के लिए दिया गया। पीएम केयर्स फंड से देश के सभी जिलों में ऑक्सीजन संयंत्र लगाने में भी बड़ी संख्या में पैसे खर्च किए गए हैं।

पीएम केयर्स की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने, संस्थाओं ने और सरकारी निकायों ने भी इसमें योगदान दिया था।

बिहार हुआ नक्सल मुक्त, झारखंड में हर जगह सुरक्षा बलों की पहुंच: सीआरपीएफ

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। नक्सल ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। सेंट्रल रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की मानें तो बिहार से नक्सलियों का सफाया हो गया है। वहीं बिहार और झारखंड में ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जहां फोर्स नहीं पहुंच सकती। सीआरपीएफ के डीजी ने ये जानकारी दी है।

सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल कुलदीप सिंह ने बताया कि नक्सल अभियान में सुरक्षा बलों ने इस साल भारी सफलता अर्जित की है। उन्होंने कहा कि हम कह सकते हैं कि अब बिहार राज्य नक्सल मुक्त है। रंगदारी गिरोह के रूप में इनकी थोड़ी बहुत मौजूदगी हो सकती है, लेकिन बिहार में अब ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां नक्सलियों का दबदबा हो।

वहीं दूसरी तरफ बिहार और झारखंड दोनों राज्यों में ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जहां सुरक्षा बल नहीं पहुंच सकते। सीआरपीएफ के डीजी ने बताया कि झारखंड में तीन दशक से नक्सलियों के कब्जे में रहे बूढ़ा पहाड़ को ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत पूरी तरह से मुक्त करा दिया गया है। पहली बार हेलीकॉप्टर की मदद से वहां फोर्स भेजी गई है। सुरक्षाबलों के लिए स्थाई कैंप भी लगाया गया है। यह तीन अलग-अलग ऑपरेशनों के तहत किया गया है।

सीआरपीएफ के मुताबिक अप्रैल 2022 से अब तक 14 नक्सलियों को मार गिराया गया है। इनमें छत्तीसगढ़ में 7 नक्सली, झारखंड में 4 और मध्य प्रदेश में 3 नक्सली ऑपरेशन थंडरस्टॉर्म के तहत मारे गए हैं। वहीं कुल 578 माओवादियों ने या तो आत्मसमर्पण किया है या फिर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बिहार में 36, छत्तीसगढ़ में 414, झारखंड में 110 और महाराष्ट्र में 18 नक्सली ने आत्मसमर्पण किया है।

सीआरपीएफ के मुताबिक वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में इस साल 77 फीसदी की कमी आई है। 2009 में नक्सलियों द्वारा घटित घटनाओं की संख्या 2258 थी, जो पिछले साल में घटकर 509 हो गई है। इस साल जून तक सिर्फ 295 घटनाएं सामने आई हैं। वहीं मृत्यु दर में भी 85 फीसदी तक की कमी आई है। वहीं आंकड़ों के अनुसार साल 2015 में सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 35 थी। वहीं साल 2018 में 30 हो गई थी, जो अब घटकर 25 रह गई है।

फैक्टचेकर और नफरत फैलाने वालों में अंतर समझना होगा, मोहम्मद जुबैर पर बोले अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। फैक्टचेकर और उसके नाम पर समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले लोगों के बीच अंतर को समझना जरूरी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को संसद में यह बात कही। आरजेडी के सांसद मनोज कुमार झा के एक सवाल के जवाब में ठाकुर ने कहा, 'यह समझना जरूरी है कि फैक्टचेकर कौन है और कौन समाज में वैमनस्यता फैलाने का प्रयास करता है। यदि उनके खिलाफ शिकायत दर्ज होती है तो फिर कानून अपने मुताबिक काम करेगा।' मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए मनोज झा ने पूछा था कि समाज में नफरत फैलाने वाले लोगों से निपटने के लिए क्या प्रक्रिया है।

अल्ट न्यूज के फाउंडर मोहम्मद जुबैर को सुप्रीम कोर्ट से बुधवार को ही जमानत मिली थी। उन्हें यूपी में दर्ज 6 एफआईआर में सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए अंतरिम बेल का आदेश दिया था। इसके बाद वह कल शाम को जेल से बाहर आए थे। मनोज झा ने कहा था, 'मैं कहना चाहूंगा कि जिन लोगों के भाषणों के चलते समाज में वैमनस्यता फैलती है, उनके खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया जाता है। लेकिन फैक्ट चेकर्स के खिलाफ कार्रवाई हो जाती है, जैसा हमने पिछले दिनों देखा है।' इस पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि अखबारों के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज होने पर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से फैसला लिया जाता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ऐंड आईटी मिनिस्ट्री की ओर से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित कॉन्टेंट पर कार्रवाई की जाती है।

उन्होंने कहा कि समाज में फैक्ट चेक के नाम पर वैमनस्यता फैलाने वाले लोगों पर कानून के तहत ऐक्शन हुआ है। इसमें मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं है। मोहम्मद जुबैर बुधवार की शाम को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कुछ घंटों बाद तिहाड़ जेल से रिहा हुए थे। उन्हें एक ट्वीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह अरेस्ट किया था, जिसे उन्होंने 2018 में लिखा था। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया कि केंद्र सरकार ने 2021-22 में फेक न्यूज फैलाने वाले 94 यूट्यूब चैनलों, 747 यूआरएल और 19 सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक किया था।

आम आदमी पार्टी बनी ही पीने और पिलाने के लिए है : अनिज विज

चंडीगढ़, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी बनी ही पीने और पिलाने के लिए हैं। उन्होंने कहा पंजाब के सीएम ने हिंदुस्तान की छवि को विश्व स्तर पर खराब किया है। विज बुधवार को अम्बाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित जनता दरबार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पंजाब के सीएम को नशे की हालत में विमान से उतारने के सवाल का जवाब देते हुए गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी बनी ही पीने और पिलाने के लिए है। दिल्ली में ही शराब को लेकर इनकी जांच चल रही है। पंजाब में भी जगह-जगह शराब के ठेके खोले गए हैं जिसकी जांच हो रही है।

मंत्री विज ने कहा कि पंजाब के सीएम ने हिंदुस्तान की छवि को विश्व स्तर पर खराब किया है। उन्होंने कहा हमारे देश के किसी मुख्यमंत्री को पकड़कर एयरलाइन से उतारना पड़े, इससे ज्यादा शर्म की बात और क्या हो सकती है। वहीं शिक्षा नीति को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रजातंत्र पर विरोध

करने का सभी को अधिकार है। मगर, हमारी सरकार जो कर रही है वह लोगों के भले के लिए कर रही है और उनकी जरूरत के अनुसार कर रही है।

इनेलो नेता अभय चौटाला द्वारा भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के सवाल पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि अभय चौटाला जिस वातावरण में रहे और रहते हैं, उन्हें चारों तरफ वहीं नजर आता है। उन्होंने दुनिया ही देखी ही ऐसी है, कहावत है कि सावन के अंधे को हर जगह हरा-हरा नजर आता है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के आरोपों पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि जो रिपोर्ट आती है सरकार उसपर कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि हुड्डा साहब को यह पता होना चाहिए। मंत्री विज ने कहा कि मगर हुड्डा साहब झूठे ब्यान देने में माहिर हैं।

हरियाणा में अलग गुरुद्वारा कमेटी के मामले में गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि अदालत के आदेश पर किसी को टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और सभी को इसकी पालना करनी चाहिए। गौरतलब है कि पंजाब के अकाली नेता सुखबीर बादल ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद टिप्पणी की थी कि कोर्ट के फैसले से सिखों की भावनाएं आहत हुई हैं।

ईडी के आरोप पत्र में दावा- रिपब्लिक टीवी के खिलाफ कोई सबूत नहीं

मुंबई, 21 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को मुंबई की एक विशेष अदालत में दाखिल आरोप पत्र में दावा किया है कि कथित टीआरपी घोटाले में रिपब्लिक टीवी के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है। आरोपपत्र में केन्द्रीय एजेंसी ने कहा है कि इस मामले में मुंबई पुलिस की जांच उससे अलग थी। साथ ही ईडी ने कहा कि उसे साक्ष्य मिले हैं कि कुछ क्षेत्रीय और मनोरंजन चैनल टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) के 'नमूने' में हेरफेर करने में शामिल थे।

विशेष पीएमएलए अदालत के न्यायाधीश एम. जी. देशपांडे ने बुधवार को इस आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। ईडी ने इस मामले में नवंबर, 2020 में ईसीआईआर दर्ज किया था, जो प्राथमिकी के समान है। गौरतलब है कि मुंबई पुलिस द्वारा रिपब्लिक टीवी, दो मराठी चैनलों और कुछ लोगों के खिलाफ कथित टीआरपी घोटाले को लेकर प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद ईडी ने ईसीआईआर दर्ज किया था।

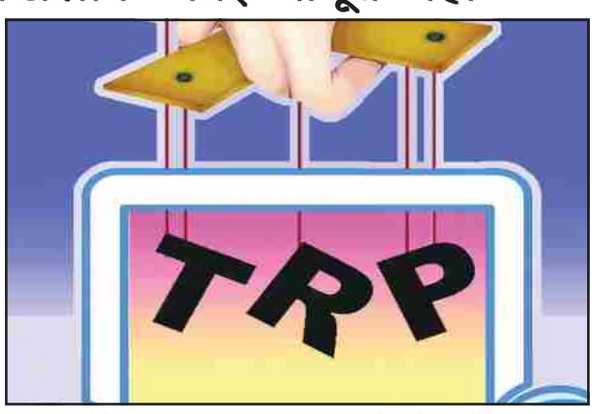

बता दें कि जून महीने में मुंबई पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट दाखिल की गई थी। जिसमें रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ अर्णब गोस्वामी का नाम भी सामने आया था। लेकिन अब प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल आरोप पत्र में उनके नाम का जिक्र नहीं है। उस समय गोस्वामी के वकील ने बताया था, 'कई अन्य लोगों के समेत पुलिस ने चार्जशीट में अर्णब गोस्वामी और एआरजी आउटलायर का नाम शामिल किया है।'

फेक टीआरपी स्कैम का मामला बीते साल अक्टूबर में सामने आया था, जबकि रेटिंग एजेंसी ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल ने हंसा रिसर्च ग्रुप के जरिए शिकायत की थी। अपनी शिकायत में में रिपब्लिक समेत कुछ चैनलों को लेकर कहा था कि वे टीआरपी के नंबरों में हेरफेर कर रहे हैं।

इस संबंध में बीते साल केस फाइल हुआ था और मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने रिपब्लिक टीवी के भी स्कैम में शामिल होने का जिक्र किया था। परमबीर सिंह ने 8 अक्टूबर 2020 को कहा था कि टीआरपी रैकेट में रिपब्लिक टीवी, बॉक्स सिनेमा और फक्त मराठी शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com